हरिभूमि
बिलासपुर भूमि
बिलासपुर, शुक्रवार 9 जनवरी 2026
बिल्हा | मस्तूरी | तखतपुर | मुंगेली | कोटा | लोरमी | सरगांव | पेंड्रा | बेलतरा | रतनपुर | पथरिया

खबर संक्षेप

कल्याणकुंज वृद्ध आश्रम में स्वास्थ्य शिविर आज

बिलासपुर। डा. कीर्ति होम्योपैथी क्लीनिक के सौंजन्य से महिला थाना के पास कल्याणकुंज वृद्धआश्रम में 9 जनवरी को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसके आयोजक डा. कीर्ति खंडेवाल ने बताया कि सभी रोगों से बचने आवश्यक परामर्श दिया जाएगा।

वाहन चालक कर्मचारी संघ की बैठक कल

बिलासपुर। शासकीय वाहन चालक यांत्रिक कर्मचारी संघ की बैठक 10 जनवरी को होगी। इसमें सेवानिवृत वाहन चालक अनवर अली कलेक्टोरेट , रामाधार यादव कृषि विभाग एवं भागवत राम साहू मत्स्य विभाग का सम्मान किया जाएगा। इसके अलावा नई कार्यकारिणी का गठन भी किया जएगा। बैठक जल संसाधन विभाग परिसर में दोपहर 12 बजे से शुरू होगी। इन्होंने संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों से इस बैठक में शामिल होने का अनुरोध किया है।

नूतन चौक पर ओवरटेक के समय हुआ हादसा

हाइवा ने कार को मारी टक्कर चार गंभीर, सीट में फंसी युवती

कार में फंसी युवती। इनसेट में घायल युवक।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

सरकंडा के नूतन चौक के पास तेज रफ्तार कार को ओवरटेक के चक्कर में हाईवा के ड्राइवर ने टक्कर मार दी। इससे कार सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गया। इसकी सूचना पर पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंच गई। पुलिस की पेट्रोलिंग टीम ने गंभीर रूप से घायल युवकों को अस्पताल भेजा। इसके बाद कार में फंसी युवती को निकालने में मशक्कत करती रही।

बताया जाता है कि कार की सीट और सामने के हिस्से में फंसी युवती को निकालने के लिए पेट्रोलिंग टीम में तैनात जवान मशक्कत करते रहे। साथ ही गैस कटर को मंगवाया गया। गैस कटर के आने के बाद युवती को निकालने देर रात तक पुलिस की टीम जुटी रही। इसी दौरान पुलिस की टीम ने तार से बांधकर कार के सामने के हिस्से को खींचने की कोशिश की। इससे कार में थोड़ी जगह बन गई। इसी से युवती को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया है। कार सवार युवती समेत चारों की हालत गंभीर है। इसके कारण उनकी पहचान नहीं हो पाई है।

पुरानी पालिसी अपडेट कराने का झांसा,11 लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

अलग अलग दो मामलों में मोबाइल हैक कर महिला से 5 लाख 76 हजार व पुरानी पालिसी अपडेट कराने का झांसा देकर 5 लाख रुपए की आनलाइन ठगी कर ली गई है। पुलिस दोनों मामलों में अपराध कायम कर जांच में जुट गई है।

सकरी पुलिस के अनुसार, एमजी होम्स मकान नम्बर सी - 2 निवासी रिटायर्ड उपसंचालक अभियोजन गया प्रसाद मालवीय ने रिपोर्ट लिखाई। उनकी पत्नी सुषमा मालवीय का एचडीएफसी बैंक शाखा मंगला चौक के सेविंग एकाउंट है। 26 दिसंबर को उनकी पत्नी के मोबाइल में मोटर चालान के संबंध में मैसेज भेजकर फोन को हैक कर लिया गया था। मैसेज खोलने से जानकारी हुई उनके बैंक एकाउंट से 5 लाख 76 हजार निकाल लिए गए हैं। उनकी पत्नी ने तत्काल साइबर टोल फ्री नम्बर 1930 में आनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी। दूसरी घटना में तारबाहर पुलिस के अनुसार, श्रीकांत वर्मा मार्ग निवासी संजय केडिया अपने मोबाइल में पुरानी एलआई पालिसी के संबंध में जानकारी ले रहे थे। इसी दौरान उन्हें अनजान मोबाइल नम्बर से फोन आया और अपने आपको बैंक अधिकारी बताते हुए उनकी पुरानी पालिसी को अपडेट करने की बात कही गई। श्री केडिया उनके झांसे में आ गए और विभिन्न प्रकार की बहानेबाजी कर उनसे 5 लाख से अधिक रुपए ट्रांसफर कराकर आनलाइन ठगी कर ली गई है। पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 318, 4 के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है।

खबर संक्षेप

सिम्स के डाक्टरों ने महिला के पेट से निकाला 10 किलो का ट्यूमर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान के डाक्टरों ने महिला के बच्चेदानी का समय आपरेशन कर 10 किमी से अधिक वजन का ट्यूमर निकला है। खास बात यह है कि

अबतक का यह पहला मामला है, जब किसी महिला की बच्चेदानी से भारी भरकम ट्यूमर निकला है। सिम्स के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के डाक्टरों ने 40 वर्षीय महिला को जीवनदान देते हुए सफल इलाज करने में कामयाबी हासिल की है। महिला के पेट में 10 किलो 220 ग्राम वजन का बड़ा ट्यूमर मिला था। अबतक 8 किलो तक के ट्यूमर की सर्जरी शासकीय अस्पतालों में की गई है, लेकिन राज्य का पहला ऐसा मामला है जब बच्चेदानी से इतना बड़ा ट्यूमर निकला गया है। महिला को एक वर्ष से से गर्भाशय में गांठ की समस्या थी। ट्यूमर का आकार अत्यधिक बढ़ जाने के कारण तबीयत गंभीर हो गई थी। उसे सांस लेने में परेशानी, किडनी एवं लीवर पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा था, कुछ दिन पहले परिजन महिला को इलाज के लिए सिम्स के स्त्री रोग विभाग लेकर आए। प्रारंभिक जांच के दौरान डॉ. दीपिका सिंह ने गर्भाशय में बड़े ट्यूमर की आशंका व्यक्त की। स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता रमन जोगी को इसकी जानकारी दी गई, आवश्यक जांच के बाद ट्यूमर की पुष्टि होने पर चिकित्सकों की टीम द्वारा जटिल सर्जरी का निर्णय लिया गया। वर्तमान में महिला सामान्य जीवन जी रही है। जोखिमपूर्ण सर्जरी का नेतृत्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, स्त्री रोग विभाग डॉ. संगीता रमन जोगी ने किया। सर्जरी टीम में डॉ. दीपिका सिंह, डॉ. प्रतिभा सिंह, मेल नर्स अश्विनी शामिल रहे। निश्चेतना विभाग की ओर से विभागाध्यक्ष डॉ. मधुमिता मूर्ति, डॉ. प्रशांत पैकरा एवं डॉ. बलदेव नेताम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सर्जरी सफल रही और वर्तमान में मरीज की स्थिति स्थिर बताई जा रही है। डॉ. रमणेश मूर्ति, अधिष्ठाता ने बताया कि सिम्स में निरंतर उन्नत चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। महिला रोग विभाग द्वारा इतनी बड़ी और जटिल सर्जरी का सफल होना हमारी चिकित्सकीय क्षमता, आधुनिक संसाधनों एवं समर्पित टीमवर्क का प्रमाण है। वहीं सिम्स अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने बताया कि मरीज की स्थिति अत्यंत गंभीर थी और सर्जरी में कई तरह की समस्या आ रही थी। विभागों के आपसी समन्वय, सटीक योजना और सतत निगरानी के कारण यह ऑपरेशन सफल हो सका है। मरीज बिल्कुल ठीक है।

पेयजल आपूर्ति में घोर अव्यवस्था को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने सौंपा ज्ञापन

बिलासपुर। अमृत मिशन योजनांतर्गत पेयजल आपूर्ति में घोर अव्यवस्था दूर करने की मांग को लेकर नेता प्रतिपक्ष भरत कश्यप और उप नेता प्रतिपक्ष संतोषी रामा बघेल के नेतृत्व में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। इसमें उन्होंने कलेक्टर को बताया कि तीन सौ करोड की लागत से नगर पालिक निगम बिलासपुर में अमृत मिशन योजनांतर्गत स्वच्छ पेयजल आपूर्ति करने संबंधित अधिकारियों अभियंताओं की दूरदर्शिता एवं सत्त मॉनटरिंग के आभाव योजना में धरातल पर दिखाई नही दे रही है। विगत दो वर्षों में कई बार महीनो पेयजल अपूर्ति बाधित रहा। इसका मुख्य कारण पाइप लाइन विस्तार में उपयोग करने सामाग्री पाइप गुणवत्ता निर्धारित मापदंड से स्तरहीन होने के कारण बार-बार पाइप लाइन से लीकेज एवं वॉल में खराबी आने के कारण आम नागरिको को पेयजल की किल्लत हो रही है। वॉल्च दो-दो रहना चाहिए ताकि वैकल्पिक तौर पर एक खराब होने पर दूसरे से पेयजल आपूर्ति किया जा सकें किन्तु ऐसा न होने से जनता को पेयजल की तंगी का सामना करना पड़ रहा है जिससे नागरिको में निगम प्रशासन की प्रति घोर आकोश व्याप्त है।

हिन्दू सम्मेलन में प्रतिभाशाली बच्चों और मातृशक्तियों ने दी रंगारंग प्रस्तुति

बिलासपुर। राजस्व कालोनी बस्ती में हिन्दू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें राजस्व कालोनी, संजय हाइट्स, कपिलनगर, चांटीडीह, सागर शिखर, कमलाश्री, ड्रीम इंपीरिया जीवाजी हाईट्स के लगभग 450 लोग सपरिवार उपस्थित रहे। उक्त कालोनियों के प्रतिभाशाली बच्चों, मातृशक्ति एवं बंधुओं द्वारा भारतीय संस्कृति पर आधारित विभिन्न आकर्षक धार्मिक व देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। जिसकी भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात मुख्य अतिथि एयु के कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ बाजपेयी, स्वामी सेवाव्रतानंद, डा. इन्दू सक्सेना ने सनातन हिन्दू संस्कृति/संस्कार के परिप्रेक्ष्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के संयोजक बजरंग क्षत्रिय एवं सह-संयोजक केतन सिंह रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सत्यनारायण परिहार, लक्ष्मीकांत जायसवाल, ओ.पी. मिश्रा, अरूण सोनी, विश्वामित्र कश्यप, विवेक पाण्डेय, शरद पाण्डेय, क्रांति कुमार वर्मा, दामोदर सोनी, विश्वनाथ कश्यप, दिनेश पाण्डेय, संस्कार गुप्ता, हिमांशु परिहार एवं सुनील विंचुरकर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

छात्रा समायरा को मिला अल्पसंख्यक प्रतिभावान विद्यार्थी सम्मान-पत्र

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ शासन छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग रायपुर द्वारा शैक्षणिक सम्मेलन प्रार्थना सभा भवन बिलासपुर में आयोजित किया गया। जिसमे सेंट फ्रांसिस स्कूल की छात्रा समायरा शेख को अल्पसंख्यक प्रतिभावान विद्यार्थी सम्मान-पत्र के साथ उपहार भी दिया गया। शेख समायरा क्लास 10 वीं में मेरिट होल्डर रही। वे कांग्रेस नेता समीर अहमद (बबला) की पुत्री है।

छग को पर्यावरणीय मानचित्र पर दिलाई नई पहचान | **सर्दियों में पक्षियों का रहता है डेरा, बर्ड वॉचिंग एवं संगोष्ठी आज**

रामसर साइट घोषित कोपरा जलाशय बनेगा अध्ययन केंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

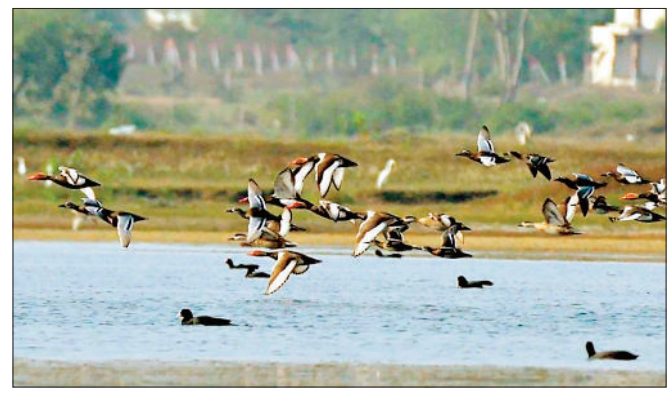

भारत सरकार ने बिलासपुर के कोपरा जलाशय को रामसर साइट घोषित कर दिया है, जिसके बाद वन विभाग अब भविष्य में यहां एक अध्ययन केन्द्र बनाने की तैयारी कर रहा है। कोपरा जलाशय एक ऐसी जगह है जहां सर्दियों में देश के साथ विदेशों से भी पक्षी आकर डेरा डालते हैं। इसके लिए विशेष बर्ड वाचिंग और संगोष्ठी का आयोजन शुक्रवार की सुबह रखा गया है।

छत्तीसगढ़ ने 12 दिसंबर 2025 को पर्यावरणीय इतिहास में एक नई पहचान बनाई है। बिलासपुर जिले के तखतपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम कोपरा स्थित कोपरा जलाशय को अंतर्राष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि के रूप में रामसर साइट घोषित कर दिया गया है। यह राज्य का पहला स्थल है, जिसे इस प्रतिष्ठित दर्जे की प्राप्ति हुई है। इस उपलब्धि ने न केवल छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है, बल्कि इसे वैश्विक पर्यावरणीय मानचित्र पर एक नई पहचान भी दिलाई है। कोपरा जलाशय लगभग 210 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है और जैव विविधता से समृद्ध इस क्षेत्र में 150 से अधिक पक्षियों की प्रजातियां दर्ज की गई हैं। इनमें से कई प्रजातियां दुर्लभ, लुप्तप्राय और संकटग्रस्त है। यहां प्रवासी पक्षियों का आगमन हर वर्ष सर्दियों के मौसम में होता है, साइबेरिया, यूरोप और एशिया के विभिन्न देशों से पक्षी यहां आते हैं। जलाशय की प्राकृतिक स्थिति, समृद्ध मछली संसाधन और वनस्पतियों की विविधता इसे इन पक्षियों के लिए सुरक्षित आश्रय स्थल बनाते हैं। वन विभाग के अनुसार भविष्य में यह स्थल शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों के लिए भी अध्ययन का केंद्र बनेगा। यहां पाए जाने वाले संकटग्रस्त पक्षी और विशिष्ट वनस्पतियां जलवायु परिवर्तन, प्रवास और पारिस्थितिकी संबंधी अध्ययनों को नई दिशा देंगी। इसके साथ ही क्षेत्र में पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिससे आने वाली पीढ़ियों में प्राकृति संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित होगी। कोपरा जलाशय का रामसर साइट के रूप में चयन यह दर्शाता है कि छत्तीसगढ़ न केवल औद्योगिक और सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध है, बल्कि पर्यावरणीय धरोहरों को सुरक्षित रखने में भी अग्रणी है।

आयोजन होगा आज

प्रदेश के पहले रामसार साइट कोपरा जलाशय में बर्ड वॉक एवं संगोष्ठी का आयोजन 9 जनवरी शुक्रवार की सुबह 10.30 बजे वन चेतना केन्द्र और जलाशय के पास किया जाएगा। पॉण्ड मेन आफ इंडिया नई दिल्ली के रामवीर सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नीतु हरमुख उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री अरूण साव, विशिष्ट अतिथि तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव, मस्तूरी विधायक दिलीप लहरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, महापौर पूजा विधायक मौजूद होंगे। इसमें बर्ड वॉचिंग के क्षेत्र में काम करने वाले गुरुघासीदास विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बीच निबंधन एवं चित्रकला के विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

रामसर कन्वेंशन एक अंतरराष्ट्रीय संधि

रामसर साइट का दर्जा मिलना इस जलाशय के संरक्षण और सतत उपयोग की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। रामसर कन्वेंशन एक अंतरराष्ट्रीय संधि है, जो विश्व की महत्वपूर्ण आर्द्रभूमियों की रक्षा और उनके विवेकपूर्ण उपयोग को प्रोत्साहित करती है। इस सूची में शामिल होना किसी भी स्थल के लिए वैश्विक मान्यता के समान है। अब कोपरा जलाशय को संरक्षण, शोध और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए विशेष महत्व मिलेगा।

इंजीनियर फील्ड पर कार्यों की मॉनिटरिंग करें

निमार्ण कार्यों की समीक्षा करते निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

सभी जोन में चल रहें निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे ने इंजीनियरों से दो टूक कहा कि इंजीनियर फील्ड पर नजर आए,कार्यों की मॉनिटरिंग करें और गुणवत्ता की लगातार जांच करें। गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर ठेकेदार के साथ इंजीनियरों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में निगम कमिश्नर ने काम शुरू नहीं करने और लेटलतीफी करने वाले ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट और पेनाल्टी लगाने के निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान कार्य की प्रगति धीमी और अप्रारंभ कार्यों की ठोस वजह नहीं बता पाने के कारण जोन क्रमांक 6 और 8 के इंजीनियरों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है। इसके अलावा सभी निर्माणाधीन साइट में बोर्ड लगाने के निर्देश दिए जिनमें कार्य का नाम,लागत, योजना का नाम और प्रारंभ तथा पूर्ण होने की तिथि अंकित हो।आज विकास भवन के दृष्टी सभाकक्ष में निर्माणाधीन एवं अप्रारंभ कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे ने सभी जोन के अंतर्गत समस्त निर्माण कार्यों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए निर्माणाधीन कार्यों को तीव्र गति से पूरा करते हुए समय सीमा के भीतर के पूर्ण करने के निर्देश दिए और अप्रारंभ कार्यों को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। इंजीनियरों की बैठक लेकर निगम कमिश्नर श्री सर्वे ने दो टूक शब्दों में निर्देश देते हुए कहा की जितने भी निर्माणाधीन कार्य है वें सभी गुणवत्ता के साथ वर्क आर्डर पर अंकित समय-सीमा के भीतर पूरे होने चाहिए।

निगम कमिश्नर ने जो कार्य प्रारंभ नहीं हुए है उन्हें शीघ्र शुरू करने और ऐसे कार्य जिनका वर्क आर्डर जारी हो चुका है लेकिन ठेकेदार द्वारा कार्य प्रारंभ करने पर आनाकानी की जा रही है उन वर्क आर्डर को निरस्त कर ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट करने के निर्देश दिए। इसके अलावा धीमी गति से कार्य करने वाले ठेकेदारों पर पेनाल्टी लगाने के भी निर्देश निगम कमिश्नर ने दिए।

कंधे पर धान की बोरी लादकर कलेक्टोरेट में प्रदर्शन

धान की बोरी लेकर कलेक्टोरेट पहुंचे पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष विजय केशरवानी व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

उपार्जन केंद्रों में किसानों से धान खरीदी के लिए टोकन नहीं कटने, टोकन कटने के बाद भी नियत तिथि में धान न खरीदकर किसी और दिन बुलाने से नाराज बेलतरा क्षेत्र के किसानों ने गुरूवार को कंधे पर धान की बोरी लादकर कलेक्टोरेट में प्रदर्शन किया।

किसानों ने पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष विजय केशरवानी के नेतृत्व में तत्काल खरीदी की लिमिट बढ़ाने की मांग की है। कलेक्टोरेट परिसर में गुरूवार को दिलचस्प नजारा दिखाई दिया। धान खरीदी के दौरान सहकारी समितियों में व्याप्त कमियों से नाराज किसानों ने कंधों पर धान की बोरी लादकर कलेक्टोरेट परिसर में प्रदर्शन किया। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष विजय केशरवानी के नेतृत्व में बेलतरा विधानसभा के किसानों ने सहकारी समितियों के प्रति बेहद नाराजगी जाहिर की। इस संबंध में कांग्रेस नेता विजय केशरवानी ने कहा कि धान खरीदी के दौरान किसान समितियों के रवैये से बेहद परेशान हैं। किसानों का धान समय पर खरीदा नहीं जा रहा है। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के किसानों की समस्या कुछ ज्यादा ही बढ़ गई है। टोकन कटने के बाद धान की खरीदी नहीं की जा रही है। किसान सुबह से शाम तक समितियों में अपना धान बेचने का इंतजार करते रहते हैं, शाम के वक्त पता चलता है कि समिति में आज की खरीदी की लिमिट पूरी हो गई है।

लिहाजा दूसरे दिन आकर पता करने को बोलकर चलता कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि किसानों के पास और भी काम है। अपना काम छोड़कर किसान गांव से समिति पहुंचते हैं, और पूरे दिन धान बिकने का इंतजार करते रहते हैं। इसके बाद भी धान नहीं बिक रहा है। उन्होंने बेलतरा विधानसभा के अंतर्गत आने वाली समितियों सल्खा, कर्मा, करा, उरतुम, सेलर, भाड़ी, बाम्हू, लखराम सहित सभी उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी की लिमिट बढ़ाई जाए। इसके साथ ही टोकन के आधार पर किसानों का धान खरीदने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कुलपति चक्रवाल को पद से हटाने राष्ट्रपति को पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. आलोक चक्रवाल द्वारा एक साहित्यकार को अपमानित कर कार्यक्रम से बाहर निकाले जाने के मामले को लेकर कोटा क्षेत्र के विधायक अटल श्रीवास्तव कुलपति पर यूनिवर्सिटी की प्रतिष्ठा धूमिल करने का आरोप लगाया है। विधायक अटल ने इस घटना को लेकर राष्ट्रपति को पत्र लिखकर कुलपति चक्रवाल को तत्काल पद से हटाए जाने और उनके पूरे कार्यकाल के जांच की मांग की है।

■ विधायक अटल श्रीवास्तव ने की कुलपति के पूरे कार्यकाल के जांच की मांग

सीयू के कुलाधिपति राष्ट्रपति होते हैं इसलिए कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव ने गुरुवार को राष्ट्रपति को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने कहा है कि गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी में आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर के राष्ट्रीय परिसंवाद समकालीन हिन्दी कहानी बदलते जीवन संदर्भ शैक्षणिक, साहित्यिक कार्यक्रम दौरान कुलपति द्वारा किया गया आचरण अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण, असंवैधानिक तथा यूनिवर्सिटी की गरिमा के प्रतिकूल रहा है। इस घटना से न केवल यूनिवर्सिटी की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है, बल्कि देशभर से आए साहित्यकारों, शिक्षाविदों एवं विद्यार्थियों में भी गहरा रोष है। कार्यक्रम के दौरान कुलपति द्वारा अतिथियों के साथ किया गया व्यवहार, संवाद की मर्यादा का उल्लंघन तथा शैक्षणिक मंच को विवाद का केन्द्र बना देना यह दर्शाता है कि अपने पद की गरिमा एवं दायित्वों का निर्वहन करने में असफल रहे हैं। स्पष्ट है कि यह केवल एक व्यक्तिगत आक्रोश नहीं, बल्कि संस्थागत अनुशासनहीनता का गंभीर मामला है। सेंट्रल यूनिवर्सिटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में कुलपति का आचरण आदर्श, संयमित एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप होना चाहिए, किन्तु उपरोक्त घटना से यूनिवर्सिटी की अकादमिक स्वतंत्रता, संवाद की संस्कृति तथा सम्मानजनक वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

प्रो. चक्रवाल के कुलपति रहते प्राध्यापकों की नियुक्ति भी विवादित रही लेनदेन के आरोप लगते रहे, जिससे राष्ट्रीय स्तर के इस यूनिवर्सिटी की गरिमा को ठेस पहुंचा है। कुलपति का आचरण व्यवहार से यूनिवर्सिटी का नाम एवं प्रतिष्ठा धूमिल हो रहा है। कुलपति को तत्काल प्रभाव से हटाने तथा उनके कार्यकाल की समस्त नियुक्तियों एवं आदेशों की निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की गई है।

बीएनआई व्यापार एवं उद्योग मेले का भूमिपूजन

बिलासपुर। बीएनआई बिलासपुर द्वारा आयोजित बीएनआई बिलासपुर व्यापार एवं उद्योग मेला 2026 की तैयारियों का विधिवत शुभारंभ भूमि पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर दयालबंद गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी मान सिंह द्वारा अरदास कराई गई। तत्पश्चात आर्ट आफ लीविंग के प्रशिक्षक प्रीतपाल सिंह द्वारा गुरु पूजा कराई गई। सभी सदस्यों ने एक साथ मिलकर हनुमान चालीसा का पाठ किया।

इस वर्ष के मेले के मुख्य प्रायोजक फॉर्च्यून एलिमेंट तथा सह-प्रायोजक अद्वैत फार्म्स है। इस आयोजन में मेला संयोजक गणेश अग्रवाल, सहसंयोजक डॉ. सचिन यादव, आलोक केडिया, रोहित मिश्रा, राजीव अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने एकजुट होकर 6 दिवसीय मेले को सफल बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में रायपुर के राहुल ट्रैवल्स के संचालक डॉ. साहिल यादव एवं नाइस टेक के वरिष्ठ अधिकारी रवींद्र प्रताप सिंह ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. किरणपाल सिंह चावला ने बताया कि बीएनआई बिलासपुर व्यापार एवं उद्योग मेला 2026 का आयोजन 29 जनवरी से 3 फरवरी तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस मेले के माध्यम से व्यापार, उद्योग, स्टार्टअप और स्थानीय उद्यमियों को एक सशक्त मंच प्रदान किया जाएगा, जहां विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। मेले के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी के रूप में निहारिका अभिषेक त्रिपाठी, डॉ. लक्ष्मी अनंत, प्रीतिश सिन्हा, अंकित अग्रवाल, पुलकित अग्रवाल, अंकित मोदी, अविनाश मोदी, शुचिता सिंह, अंकिता तिवारी, नेहा दीप्त सहित 50 से अधिक सदस्य उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि बीएनआई बिलासपुर द्वारा यह मेला तीसरे वर्ष आयोजित किया जा रहा है। गत वर्ष मेले की बचत राशि से समाज सेवा के तहत एक किडनी डायलिसिस मशीन निःशुल्क प्रदान की गई थी, जो सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आयोजकों को उम्मीद है कि यह मेला व्यापार, उद्योग और सामाजिक सहभागिता के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम करेगा।

बिजनेस प्लस

खादी महोत्सव प्रदर्शनी का समापन 11 को

बिलासपुर। सीएमडी कॉलेज मैदान में विगत कुछ दिनों से चल रहे स्वदेशी खादी महोत्सव अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। प्रदर्शनी का समापन 11 जनवरी रविवार को है। इसके संचालक ने बताया कि पिछले कई दिनों से प्रारंभ इस प्रदर्शनी को शहरवासियों का काफी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। प्रदर्शनी लोगों को काफी छूट के साथ सामान बेचा जा रहा है। उन्होंने अधिक से अधिक संख्या में आकर इस भरपूर छूट का लाभ उठाने की अपील की है। प्रदर्शनी के समापन पर काफी आकर्षक छूट एवं किफायती दामों पर वस्तुओं की बिक्री हो रही है। संचालक ने आह्वान किया है कि आप इस मौके का फायदा उठाएं और ऊनी कपड़ों पर भारी भरकम छूट पाए। प्रदर्शनी की आखिरी तिथि 11 जनवरी दिन रविवार अर्थात अंतिम तीन दिन और शेष है। प्रदर्शनी में खादी एवं सूती वस्त्रों के साथ-साथ गर्म ऊनी कपड़ो पर भारी छूट दी जा रही है।

क्षारसूत्र चिकित्सा पाईल्स भगंदर के लिए प्रभावशाली: डॉ. चौकसे

हेल्थ प्लस

बिलासपुर। आयुर्वेद चिकित्सा एवं पंचकर्म संस्थान अरपा पुल के पास, मेन रोड़, नेहरू चौक द्वारा 8 जनवरी से 10 जनवरी तक 3 दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया है।

इस शिविर में लकवा, डायबिटीज (शूगर), किडनी रोग, गठियावात, घुटने का दर्द, कचे, कमर, एड़ी वर्द एवं सभी प्रकार के पाईल्स (बवासीर), फिशर (मलद्वार का छिलना), फिस्टुला (भगंदर) आदि की चिकित्सा परामर्श दिया जाएगा। सभी रोगियों को सुबह 11 बजे से 6 बजे के मध्य जांच की जाएगी। शिविर का मुख्य उद्देश्य आयुष मंत्रालय की थीम (विषय) हर घर आयुर्वेद, घर-घर आयुर्वेद के प्रति जागरूक कर चिकित्सा (स्वास्थ्य) लाभ देना ही है। उन्होंने बताया कि क्षारसूत्र हल्दी, चिरचिरा की भस्म आदि औषध द्रव्यों से निर्मित किया जाता है। इसे बवासीर के मस्सों या भगंदर के नली में बांधकर चिकित्सा की जाती है। इस चिकित्सा में पुनरावृत्ति की संभावना नहीं होती। यही महर्षि सुश्रुत (शल्यतंत्र के जनक) द्वारा प्रदत्त चिकित्सा की महत्ता है। शिविर में सेनि जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. मनोहर जी टेकचंदानी , डॉ. विमल शर्मा, डॉ किरण वर्मा, डॉ मोनिष्का शर्मा, संस्था के संस्थापक डॉ. मनोज चौकसे अपनी सेवायें देगें। सभी जरूरतमंद रोगियों को औषधि भी संस्था द्वारा निःशुल्क दी जाएगी। शिविर में पहले दिन लगभग 95 रोगियों ने जांच एवं चिकित्सा प्राप्त की एवं अगले 2 दिनों में काफी रागियों के आने की उम्मीद है। शिविर का पंजीयन करा सकते हैं।

महामाया आईटीआई में वार्षिक खेलकूद महोत्सव

बिलासपुर। महामाया आई टी आई खमतराई में वार्षिक खेलकूद का आयोजन 5 जनवरी से 13 जनवरी तक किया जा रहा है, जिसमें खो - खो, कबड्डी, वॉलीवॉल, रस्सा कस्सी, जलेबी दौड़, कुर्सी दौड़, नीबू चम्मच, बोरा दौड़ के साथ विभिन्न प्रकार की खेलों का आयोजन संस्था परिसर में किया जा रहा है। संस्थान के संचालक एस एल साहू ने बताया कि प्रत्येक वर्ष संस्थान में इस प्रकार के खेलों का आयोजन होता है। खेल का शुभारम्भ संस्थान की संचालिका संतोषी साहू ने किया। श्रीमति साहू ने सभी प्रशिक्षुओं को दैनिक जीवन में खेलों के महत्त्व पर प्रकाश डाला और सभी खिलाडियों को खेल भावना से खेलने के लिये प्रेरित किया। इस मौके पर संस्थान के प्रशिक्षण अधिकारी पी एस राठौर, राजेश साहू, मनोज गौरव, ज्ञानचंद्र साहू, ज्ञानेश्वर बरगाह, ठाकुर सिंह, वीरेंद्र रात्रे, अरुण कमलसेन, अजय यादव,प्रमोद राठौर, सरिता साहू, दुर्गा ध्रुव, बलराम, रजत, सत्यजीत, गणपत, सुनीता, वृहस्पति आदि मौजूद थे।

कार्यालय - बिलासा देवी संस्कृत विद्यालय, मल्हार दिनांक 8.1.2026
तह. मस्तुरी, जिला बिलासपुर (छ.ग.)
पंजी. क्र. 4158 यू डाइस कोड 22071503817
पिन नं. 495551 मो. नं. 8827992550

शिक्षक की आवश्यकता है

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत शिक्षक की केन्द्रीय योजना के अंतर्गत इस विद्यालय में शिक्षक की आवश्यकता है।
रिक्त संख्या 01 संस्कृत शिक्षक (पूर्ण कालिक)
विषय:- संस्कृत (साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, कर्मकाण्ड, दर्शन)
शैक्षणिक योग्यता:- राज्य सरकार / यु. जी. सी. द्वारा निर्धारित परंपरागत उपाधि धारक एवं प्रशिक्षित अभ्यर्थी को वरीयता।
मानदेय:- 20,000/- बीस हजार रूपये प्रतिमाह (पूर्ण कालिक शिक्षक के लिए)
नोट :- अभ्यर्थी अपने जीवनवृत के साथ सादे कागज पर आवेदन कर सकते है। आवेदन के साथ समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति एवं पहचान पत्र पंजीकृत डाक द्वारा अथवा स्वयं उपस्थित होकर निम्नलिखित पते पर विद्यालय कार्य दिवसों में दिनांक 23/01/2026 सायं 05 :00 बजे तक प्रेशित / प्रस्तुत कर सकते है। विलम्ब से प्राप्त आवेदनों पर विचार नही किया जायेगा। गुणवता परीक्षण की सुचना विद्यालय द्वारा अभ्यर्थी को पृथक से दी जायेगी।

प्रबंधक / प्राचार्य
बिलासा देवी संस्कृत विद्यालय, मल्हार
तह. मस्तुरी, जिला बिलासपुर (छ.ग.) 495551
मो. नं. 8827992550, 8817272611

हरिभूमि
बिलासपुर, शुक्रवार 9 जनवरी 2026
लाइव
Email id- haribhoomibsp@gmail.com
Whats App - 6263190692, 8305922255

संक्रांति पर मंदिरों में होगी विशेष पूजा, होगा स्नान-दान

बिलासपुर। संक्रांति पर्व पर शहर के मंदिरों में विशेष पूजा की जाएगी। इस पर्व के मद्देनजर गुड़, तिल, लाई, मुर्रा का बाजार सजकर तैयार है। लोग इन चीजों की खरीददारी भी शुरू कर दिए हैं। इस दिन लोग पवित्र नदियों में स्नान कर दान-पुण्य करेंगे। तिल-गुड़ का सेवन भी करेंगे।

14 जनवरी को मनाया जाने वाला मकर संक्रान्ति पर्व भारत के प्रमुख पर्वों में से एक है। पौष मास में जिस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है उस दिन इस पर्व को मनाया जाता है। वर्तमान में यह त्योहार जनवरी माह के चौदहवें दिन पड़ता है। इस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश करता है। तमिलनाडु में इसे पोंगल उत्सव के रूप में जाना जाता हैं। बिहार के कुछ जिलों में यह पर्व 'तिला संक्रांत' नाम से भी प्रसिद्ध है। मकर संक्रान्ति पर्व को कहीं-कहीं उत्तरायण भी कहते हैं। 14 जनवरी के बाद से सूर्य उत्तर दिशा की ओर अग्रसर होता है। यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। मकर संक्रांति से सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर बढ़ना शुरू करता है। जिसे शुभ माना जाता है। यह सर्दी के कम होने और नई फसल का प्रतीक है। जिसे प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है। इस पर्व पर तिल, गुड़, अनाज, कपड़े आदि का दान करना शुभ माना जाता है। तिल के लड्डू, रेवड़ी बनाए और खाए जाते हैं, जो शरीर को गर्मी और ऊर्जा देता है।

14 को मनाया जाएगा पर्व, बाजार में बढ़ी हलचल

युवा लेंगे पतंगबाजी का आनंद

संक्रांति पर युवाओं, बच्चों द्वारा पतंगबाजी का आनंद लिया जाएगा। इसे देखते हुए बाजार में विविध तरह के पतंग आने लगे हैं।

मंदिरों में होगी पूजा

संक्रांति पर मंदिरों में विशेष पूजा की जाएगी। भगवान को तिल, मूंगफली से तैयार लड्डू के भोग लगाए जाएंगे। इस दिन श्रद्धालु भक्त मंदिर पहुंच कर दर्शन, पूजन के बाद भगवान को तिल, मूंगफली के लड्डू चढ़ाएंगे।

कार्यक्रम

राज्य स्तरीय तकनीकी शिखर सम्मेलन में टैलेंट के अनुसार रोजगार देना होगा

बिलासपुर। शहर में पहली बार राज्य स्तरीय तकनीकी शिखर सम्मेलन यूथ 2026 का आयोजन शनिवार 10 जनवरी को किया जा रहा है। इसमें टैलेंट के अनुसार युवा वर्ग को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। यह सभी वर्ग के लिए आयोजित है। संजय विल्सन, अप्रतिम सामुएल व निखिल पाल ने गुरुवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि एचडी शेफर मेमोरियल फाउंडेशन एवं कोड क्राफ्ट के तत्वावधान में सी.ओ.सी.एम. आई. परिसर कुदुदंड में आयोजित इस समिट में भारत सरकार के स्टार्टअप व स्किल इंडिया, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं छत्तीसगढ़ शासन की तकनीकी शिक्षा नीति के अनुरूप युवाओं को आत्मनिर्भर, रोजगार सृजन तथा भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाने का प्रयास होगा। फाउंडेशन एवं कोडक्राफ्ट द्वारा एआई डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, वर्चुअल एवं ऑगमेंटेड रियलिटी जैसी अत्याधुनिक तकनीक के क्षेत्र में कार्य योजना तैयार की जा रही है। बेंगलुरु, चेन्नई सहित देश के प्रमुख शहरों से बहुराष्ट्रीय कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी, सफल उद्यमी एवं तकनीकी विशेषज्ञ युवाओं की भागीदारी रहेगी। इसमें विशाल मैथ्यूस, मनोरोग विशेषज्ञ डॉ आयुष, डॉ शिवम अरूण पटनायक, सुश्री रूचि जेम्स, परमेश्वरी अरूण तमिलनाडू, प्रदीप्तो गिरवाल कानपुर शामिल रहेंगे।

- कुदुदण्ड में कल से हो रहा आयोजन

आयोजन

श्री गुरु तेग बहादुर द्वार का अमर ने किया लोकार्पण

बिलासपुर। सिखों के 9 वे गुरु श्री गुरु तेग बहादुर 27 खोली चौक पर द्वार का भव्य लोकार्पण किया गया। लोकार्पण के अवसर पर पूर्व मंत्री व विधायक अमर अग्रवाल के द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर की छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। ज्ञानी सरवन सिंह ने पाठ कर अरदास किया और लोकार्पण किया। लोकार्पण के अवसर पर अमर अग्रवाल के द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर की छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। इन्होंने कहा कि देश के लिए बलिदान देने वाले ऐसे महान गुरु के नाम का कार्य करने में गर्व होता है, हम सभी को उनके बताए हुए पथ पर कार्य करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर महापौर पूजा विधानी, सभापति विनोद सोनी, जोन अध्यक्ष मधुबाला टंडन, जिला अध्यक्ष दीपक सिंह, कलगीधर गुरुद्वारे के अध्यक्ष महावीर सिंह, समिति के अध्यक्ष अजीत सिंह भोगल, मंडल अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण कश्यप, पार्षद नितिन पटेल, पार्षद कार्तिक यादव सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

धर्म-क्षेत्र

हनुमान मंदिर में खिचड़ी का वितरण 5 सौ लोगों ने किया प्रसाद ग्रहण

बिलासपुर। लायंस क्लब इंटरनेशनल हंगर सेवा वीक के अंतर्गत लायंस क्लब बिलासपुर वसुंधरा ने बृहस्पति बाजार सब्जी मंडी स्थित हनुमान मंदिर में खिचड़ी का वितरण किया। जिसमें लगभग 5 सौ लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। क्लब की सदस्यों ने बताया कि सब्जी मंडी शहर के बीच में और बहुत ही भीड़ वाली एरिया होता है। जहां हर वर्ग के लोग आते हैं इसलिए वसुंधरा परिवार ने ऐसी जगह को चुना ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस हंगर सेवा का लाभ उठा सके। ऐसे क्षेत्र में गांव देहात और आसपास के छोटे शहरों से भी लोग अपनी आजीविका चलाने आते हैं। इनके बीच खिचड़ी का प्रसाद बंटवा कर सभी को यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि जरूरतमंद लोगों को भोजन कराना ही सच्ची सेवा है एवं उतना ही लो थाली में कि अन्न का एक भी कण नाली में व्यर्थ न जाए।

कार्यक्रम

देश के संस्कृति,संरक्षण और संवर्धन का संदेश दिया

- सत्यम निकेतन ने बिखेरी विविधता भरी सांस्कृतिक छटा

बिलासपुर। शासकीय उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान में सत्यम निकेतन के द्वारा वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम को प्रस्तुत किया गया। भारतीय संस्कृति एवं लोक संस्कृति को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा लोकगीत,लोक नृत्य, नाटक, हास्य कॉमेडी आदि के माध्यम से हमारे भारत देश के संस्कृति,संरक्षण और संवर्धन का संदेश दिया गया। राम सीता विवाह,शंकर तांडव,डंडा नृत्य,पहाड़ी नृत्य,जस गीत,नाटक सर्वधर्म सम्भाव, बुंदेलखंडी नृत्य आदि की प्रस्तुति दर्शकों को एवं निर्णायकों का मन मोह लिया। मंत्र नाटक द्वारा समाज को मानवता का पाठ का संदेश दिया गया कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति में एक देश संदेश एक हैं एक हमारा नारा है उत्साह और ऊर्जा का प्रेरक संदेश दिया गया। इस मौके पर प्राचार्य मीता मुखर्जी, निर्णायक सुनील चिपड़े,अरुण मांगे,सांस्कृतिक प्रभारी डॉ अजीता मिश्रा सत्यम निकेतन के प्रभारी एन एम रिजवी डॉ गीता जायसवाल,डॉ नीला चौधरी,एकल अभिनय के रूप में कीर्तनलाल घृतलहरे के द्वारा हास्य नाटक से दर्शकों लोट पोट कर कार्यक्रम को नया मोड़ दे दिया।

मिनोचा कालोनी में जया किशोरी का भजन व कथा आज से

परिसर पर चुस्त व्यवस्था

बिलासपुर। श्री प्रेम सेवा परिवार द्वारा मिनोचा कॉलोनी गार्डन के पास तीन दिवसीय नानी बाई का भजन व कथा मायरा का आयोजन शुक्रवार 9 जनवरी से किया गया है। इसमें विश्व विख्यात कथावाचक जया किशोरी दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक कथा का वाचन करेंगी।

कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह मिनोचा कॉलोनी कार्यक्रम स्थल पहुंच कर तैयारी का जायजा लिया एवं आयोजकों से बैठक व्यवस्था, सुरक्षा पार्किंग तथा अन्य सुविधाओं को लेकर चर्चा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि पार्किंग व बुजुर्गों के लिए अलग से व्यवस्था हो। इस दौरान यातायात विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि कथा स्थल से दूर मुख्य मार्ग से लगे अलग-अलग आठ जगहों में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। जनप्रतिनिधि, आयोजन समिति, विशिष्ट अभ्यागत हेतु अलग से पार्किंग होगी। उस स्थल में आमजन पार्किंग प्रवेश नहीं रहेगा। मुख्य मार्ग पार्किंग स्थल से कथा पंडाल तक पहुंचाने हेतु बुजुर्गों के लिए ई-रिक्शा की व्यवस्था समिति ने की है, यह पूरा कार्यक्रम निःशुल्क किया जा रहा है। सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही कथा स्थल के पूरे परिसर की सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जाएगी। मौके पर चिकित्सकों की टीम एवं पुलिस कंट्रोल रूम भी रहेगा।

बनाए गए हैं चार द्वार

पार्किंग स्थल में रोड से कथा स्थल तक पहुंचने के लिए चार द्वार बनाए गए हैं। गेट क्रमांक 1, 2, 3 से ही कथा स्थल तक प्रवेश रहेगा। गेट नंबर 4 विशिष्ट अभ्यागत, जनप्रतिनिधि के लिए होगा। कार्यक्रम में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम द्वारा आयोजन समिति को सहयोग किया जा रहा है। मायरो कथा व भजन का सीधा प्रसारण भी होगा।

6 हजार लोगों की है बैठने की व्यवस्था

पूरे पंडाल में 6 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था की गई है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए महिला पुलिस तैनात रहेंगी। उसलापुर मुख्य मार्ग पार्किंग स्थल में 9 से 11 जनवरी तक यातायात व्यवस्था बनाने के निर्देश पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने दिए हैं। ताकि किसी को आवागमन तथा श्रद्धालुओं को परेशानी न हो।

रेलवे मंडल में अंतर विद्यालयीन रंग मंच एवं चित्रकला प्रतियोगिता

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा रेलवे स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को कला, संस्कृति एवं नाट्य विधाओं के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने तथा उनकी सृजनात्मक प्रतिभा को बेहतर मंच प्रदान करने के उद्देश्य से नियमित रूप से अंतर मंडलीय एवं अंतर विद्यालयीन सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में वर्ष की अंतर विद्यालयीन सांस्कृतिक प्रतियोगिता नाटक का सफल आयोजन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मंडल द्वारा रेल क्लब ऑडिटोरियम में किया गया। इस प्रतियोगिता में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल बीएमवाई, रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल डोंगरगढ़, रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल गैनपुर, रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल शहडोल तथा रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ अंशुमान मिश्रा द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा नाटक, मोनो एक्ट एवं मिमिक्री की प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दी गईं। विद्यार्थियों ने सामाजिक, नैतिक एवं प्रेरणादायक विषयों पर आधारित प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी उत्कृष्ट अभिनय क्षमता का परिचय दिया, जिससे उपस्थित दर्शक भावविभोर एवं मंत्रमुग्ध हो उठे। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रतिष्ठित रंगकर्मी श्री रोहित वैष्णव, श्री मुनेश्वर महिपाल एवं सुश्री मयूरी चक्रवर्ती शामिल रहे।

शिव नाम का स्मरण ही मोक्ष मार्ग कथा का समापन आज

पत्रकार कॉलोनी में शिव महापुराण कथा

बिलासपुर। पत्रकार कॉलोनी में शिव महापुराण कथा के अंतिम दिन कथावाचिका ईश्वरी देवी ने ज्योतिर्लिंग की महिमा बताते हुए कहा कि भगवान शिव ही मनुष्य को सांसारिक बन्धनों से मुक्त कर सकते हैं, शिव की भक्ति से सुख व समृद्धि प्राप्त की जा सकती है। शिव पुराण का श्रवण व शिव नाम स्मरण से पापों का नाश व मोक्ष मिलता है। कथावाचिका ईश्वरी देवी ने आगे कहा कि शिव महापुराण पूरे ज्ञान का निचोड़ है, जिसमें शिव के विविध रूपों की कथा के माध्यम से शिव भक्ति, मोक्ष और आध्यात्मिक मार्ग का सार समझाया है। जिससे भक्तों को परम शांति और कल्याण की प्राप्ति हो सके। ईश्वरी देवी ने कहा कि भगवान शिव पापों का नाश करने वाले देव हैं तथा बड़े सरल स्वभाव के हैं। इस लिए भगवान शिव को भोले भंडारी कहते हैं। अपने नाम के अनुसार ही शीघ्र ही प्रसन्ना होकर भक्तों को मनवाँछित फल देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों में भावनाएं होनी जरूरी है। ज्ञान, धर्म, भक्ति, सत्संग के साथ शिव-स्मरण करते हुए शिव तत्व को आत्मसात करने पर जोर दिया।

पूर्णाहुति, परायण पूजन व भंडारे के साथ समापन आज

पत्रकार कॉलोनी में आयोजित शिव महापुराण कथा आयोजन के नौवे दिन शुक्रवार 9 जनवरी को सुबह 8 बजे से गीता दान, पूर्णाहुति और परायण पूजन होगा। तत्पश्चात दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक भक्ति जनों के लिए भोग भंडारा का आयोजन किया गया है।

स्पोर्ट्स न्यूज

जिला कांग्रेस और भाजपा के बीच खेले गए सद्भावना मैच

रांची इलेवन ने आयांश इलेवन को रोमांचक मुकाबले में 8 रनों से हराया

बिलासपुर। स्व ऊषा देवी भंडारी की स्मृति में आयोजित अखिल भारतीय रात्रिकालीन टेनिस बाल प्रतियोगिता बिलासपुर जिला खेल परिसर मैदान में चल रही है। प्रतियोगिता के ग्यारहवें दिन तीन मैच खेले गए। पहला मैच रांची स्टार इलेवन और आयांश इलेवन के बीच खेला गया। इस मैच के अतिथि संभागायुक्त सुनील जैन,बिलासपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल, डी.एफ.ओ. नीरज कुमार रहे। सभी अतिथियों ने टॉस कराकर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच प्रारंभ कराया। टॉस जीतकर आयांश इलेवन की टीम ने पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी राँची स्टार इलेवन की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में 8 विकेट खोकर 78 रन बनाए। रांची इलेवन की ओर से बल्लेबाज संदीप ने सर्वाधिक 32 रन बनाए। आयांश इलेवन के गेंदबाज जीशान ने सर्वाधिक 3 विकेट अर्जित किए। 10 ओवरों में 79 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयांश इलेवन की टीम 10 ओवर में 7 विकेट खोकर 70 रन ही बना सकी। इस प्रकार रांची इलेवन की टीम ने यह रोमांचक मैच 8 रनों से जीत लिया। रांची इलेवन के खिलाड़ी ऋषि को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच पुरस्कार दिया गया।

जिला कांग्रेस कमेटी ने जीता मैच

दूसरा मुकाबला सद्भावना मैच के भारतीय जनता पार्टी जिला बिलासपुर एवं जिला कांग्रेस के मध्य खेला गया।इस मैच के अतिथि के रूप में पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष राजा पाण्डेय एवं भारतीय जनता पार्टी बिलासपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष मोहित जायसवाल उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टॉस कराकर मैच प्रारंभ कराया। भाजपा की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया । पहले बल्लेबाजी जिला कांग्रेस की टीम ने निर्धारित 8 ओवर में 3 विकेट खोकर 87 रन बनाए। जिला कांग्रेस के बल्लेबाज अमित भारती ने सर्वाधिक 46 रन बनाए। 88 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भाजपा टीम 10 ओवर मे 6 विकेट खोकर 72 रन ही बना पायी और जिला कांग्रेस की टीम ने यह मैच ने यह मैच 15 रनों से जीत लिया लिया। जिला कांग्रेस की ओर से पार्षद अमित परते को उनके ऑलराउंडर प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच दिया गया।

अंडर 19 एलीट ग्रुप इंटर डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट

गेंदबाजी की बदौलत बिलासपुर ने भिलाई को 251 रनों से हराया

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित मेंस अंडर 19 एलीट ग्रुप इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बिलासपुर बनाम भिलाई के मध्य तीसरा मैच धमतरी के मैदान में खेला गया। जिसमें भिलाई ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया और बिलासपुर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 31.2 ओवर में 175 बनाकर पूरी टीम आउट हो गई।

बिलासपुर की ओर से बल्लेबाजी करते हुए आर्यन एम सिंह ने सबसे अधिक 78 और आर्यन सिंह ने 53 रनों का योगदान दिया। भिलाई की ओर से गेंदबाजी करते हुए चंद्र भूषण साहू, रुद्र नारायण वर्मा और अंश फुले ने तीन-तीन विकेट प्राप्त किया। इसके पश्चात भिलाई ने बिलासपुर के घातक गेंदबाजी का सामना नहीं कर पाया और 24 ओवर में मात्र 35 रन बनाकर पूरी टीम आउट हो गई। भिलाई की ओर से एकमात्र बल्लेबाज आयुष यादव ने दहाई का आंकड़ा पार किया जिन्होंने 10 दोनों का योगदान दिया इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज बिलासपुर के गेंदबाजी का सामना नहीं कर पाया और बिलासपुर ने पहली पारी में 140 रनों का बढ़त बना ली। बिलासपुर की ओर से गेंदबाजी करते हुए सक्षम चौबे ने चार विकेट श्रीसंत खरे ने दो विकेट और बाकी गेंदबाजों ने एक-एक विकेट प्राप्त किया। इसके पश्चात बिलासपुर ने अपनी दूसरी पारी खेलते हुए 39.5 ओवर में तेजी से रन बनाते हुए 201 रन बनाकर पूरे टीम आउट हो गई। जिसमें धनंजय नायक ने 42 रन और अयान उपाध्याय ने 40 रनों का योगदान दिया और गुणवंत अवस्थी ने 30 रन बनाएं। भिलाई की ओर से गेंदबाजी करते हुए चंद्र भूषण साहू ने पांच विकेट प्राप्त किया। इसके पश्चात भिलाई ने 342 रनों का लक्ष्य का पीछा करते हुए 33.02 ओवर में 90 रन बनाकर पूरी टीम आउट हो गई ।

गुड़-तिल-मूंगफली टेस्टी भी-हेल्दी भी

बच्चो, जाड़े के मौसम में बहुत सी हेल्दी चीजें खाने को मिल जाती हैं। जनवरी माह में मकर संक्रांति पर्व भी आता है, इस अवसर पर तिल-मूंगफली से बने व्यंजनों के खाने का एक अलग ही मजा है, जो हमारी हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। सर्दियों में और कौन-कौन सी हेल्दी-टेस्टी चीजें खाई जा सकती हैं, जो हमें फिजिकली-मेंटली फिट रखती हैं, जानो।

सीजनल डाइट

डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चो, हेल्दी डाइट से ही हमारा शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहता है। स्वस्थ आहार में बहुत-सी चीजें शामिल होती हैं, जैसे- सब्जियां, अनाज, फल, ड्राई फ्रूट्स और दूध-दही। बहुत से फूड आइटम्स भी हमारी हेल्दी डाइट का हिस्सा होते हैं। हमारे देश में तो मौसम के हिसाब से भी खान-पान तय किया गया है। तुमने देखा होगा कि घर में मौसम के बदलते ही खाने-पीने की चीजें भी बदल जाती हैं। इन दिनों जाड़े में मूंगफली, तिल और गुड़ की बनी चीजें खूब दिख रही हैं। ये ट्रेडिशनल फूड आइटम्स सर्दियों के लिए एनर्जी बूस्टर हैं। इनसे मिलने वाले पोषक तत्व, साल भर हमारे शरीर को स्वस्थ रखते हैं।

स्वास्थ्य के रक्षक

सर्दी के मौसम में खाए जाने वाले तिल-मूंगफली के पकवान बहुत न्यूट्रीशस होते हैं। ये हर एज ग्रुप के लोगों को पसंद आते हैं। इनकी तासीर यानी हमारे शरीर पर पड़ने वाला असर, गर्म होती है। जिसके चलते इनसे बनी सभी चीजें शरीर को ठंड से बचाती हैं। तिल की बने लड्डू हों या मूंगफली की चिक्की, सर्दियों में सबके साथ धूप में बैठकर या अलाव तापते हुए इन्हें खाने का मजा ही कुछ और है! ठंड से बचाव करने और सेहत बनाने वाले ये क्रंची स्नैक्स, अपनों

के साथ समय बिताने का भी अवसर देते हैं। तिल और मूंगफली में न केवल प्रोटीन बल्कि कई विटामिन और ओमेगा 6 जैसे न्यूट्रिएंट्स भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इन दोनों में ही कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व भी होते हैं। इसीलिए तिल के लड्डू खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं। ये हमारी डाइजेस्टिव हेल्थ को बेहतर रखते हैं। वहीं पीनट्स यानी मूंगफली भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। पीनट्स खाने से ब्रेन फंक्शनिंग भी सुधरती है। बच्चो, नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी में सामने आया है कि तिल और मूंगफली में हेल्दी फैट होता है। इसीलिए ठंड के मौसम में इन चीजों को जरूर खाना चाहिए। ये ठिठुराती सर्दी में खेलने-कूदने और एक्टिव रहने का एनर्जी बूस्टर डोज हैं।

मिठास का सेहतमंद साथ

बच्चो, तिल, मूंगफली को जब गुड़ का साथ मिलता है, तो ये स्वादिष्ट ही नहीं और अधिक गुणकारी भी बन जाते हैं। तिल, गुड़ और मूंगफली, ये तीनों चीजें ठंड के मौसम के लिए सुपरफूड हैं। इनसे बनी चीजें खाने में बहुत टेस्टी लगती हैं। इन्हें स्कूल के टिफिन में ले जाना भी बहुत आसान है। तिल और मूंगफली तो पौष्टिक हैं ही, गुड़ में भी आयरन, मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे कई मिनरल्स होते हैं, जो शरीर को एनर्जी और गर्माहट देने का काम करते हैं। गुड़ में विटामिन ए, सी और ई भी होते हैं। असल में गुड़ में मौजूद शुगर, सुक्रोज और फ्रक्टोज के रूप में होती है, इसलिए इसका स्वाद मीठा और तुरंत एनर्जी देने वाला होता है। यही कारण है कि गुड़ खाने से मानसिक और शारीरिक स्ट्रेस भी कम होता है। गुड़ में मिठास ही नहीं जिंक, सेलेनियम और एंटीऑक्सिडेंट्स भी होते हैं। ये ना सिर्फ हमारे शरीर को इंफेक्शन से बचाते हैं बल्कि इम्यूनिटी भी बढ़ाते हैं। तिल और मूंगफली के लड्डू, गजक, बर्फी, तिलपट्टी, तिलकुट या चिक्की बनाने के लिए गुड़ का ही इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में सर्दियों के मौसम में इन चीजों को खाना इम्यूनिटी, मूड और अपनेपन का मिठास भरा बूस्टर डोज बन जाता है।

ट्रेडिशनल टेस्ट का कमाल

बच्चो, तिल, मूंगफली और गुड़ जैसी चीजों की न्यूट्रिशनल वैल्यू को हमारे बड़े-बुजुर्ग हमेशा से समझते आए हैं। सर्दियों में आने वाले त्योहार, जैसे मकर संक्रांति और लोहड़ी पर तो खासतौर पर इन चीजों को खाया जाता है। सर्दियों में हमारे घरों में इन चीजों से पारंपरिक और पौष्टिक मिठाई बनाने का ट्रेंड रहा है। आज भी विंटर सीजन में दादी-नानी तिल के लड्डू बनाकर भी अपना प्यार जताती हैं। बच्चो, समझना जरूरी है कि तिल, मूंगफली से बनी मिठाई,

स्नैक्स का बहुत हेल्दी ऑप्शन हैं। अगर सही पोर्शन में खाया जाए तो शरीर को इनसे कोई नुकसान नहीं होता। हमारा ट्रेडिशनल खान-पान शरीर, मन और मौसम के मुताबिक बने हुए हैं। बीमारियों से बचाने और इम्यूनिटी मजबूत करने वाले देसी नुस्खों में दादी, नानी और मम्मी का स्नेह भी भरा होता है। इसीलिए सर्दियों में इन सुपर फूड्स को खूब मन से खाओ। अच्छी सेहत बनाओ। इस कमाल के ट्रेडिशनल टेस्ट के लिए दादी-नानी का मन से आभार भी जताओ। *

कैसे हुई पतंग की शुरुआत

हमारे देश में कुछ खास पर्व और अवसरों पर पतंग उड़ाने की परंपरा है। बच्चे तो पतंगबाजी को खूब एंज्वॉय करते हैं। पतंग के आविष्कार और देश-विदेश में इसके प्रचलन का किस्सा बड़ा रोचक है। जानो, पतंग और पतंगबाजी से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

जानकारी

शिवानी छाया

बच्चो, मकर संक्रांति के दिन पतंग उड़ाने की परंपरा है। इस पर्व के अलावा हमारे देश में वसंत पंचमी, स्वतंत्रता दिवस पर भी पतंगें उड़ाई जाती हैं। गुजरात, राजस्थान, पंजाब और तेलंगाना जैसे कई राज्यों में तो पतंगोत्सव यानी काइट फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है, जिसमें देश-विदेश से आए लोग भाग लेते हैं। पतंगबाजी में बच्चे-बड़े सभी भाग लेते हैं, खूब एंज्वॉय करते हैं। बच्चो, तुम यह जानना चाहोगे कि पतंग उड़ाने की शुरुआत कब और कैसे हुई, जानो-

चीन में हुई थी शुरुआत: माना जाता है कि पतंग बनाने और उड़ाने की शुरुआत लगभग 2800 वर्ष पहले चीन के शानदोंग शहर में हुई थी। इस शुरुआत के पीछे एक रोचक किस्सा है- खेत में काम करने के दौरान एक चीनी किसान की टोपी बार-बार हवा में उड़कर इधर-उधर चली जाती थी। इससे परेशान होकर वह अपनी टोपी एक डोरी से बांधकर रखने लगा। इससे उसकी टोपी हवा में उड़ती तो थी लेकिन इधर-उधर नहीं जाती थी। बस यहीं से पतंग बनाने के आइडिया ने जन्म लिया। विभिन्न स्रोतों के अनुसार दुनिया की शुरुआती पतंगें चीन के हुआंग थेंग, मोजी और लुबान ने बनाई थीं। ये पतंगें कागज की नहीं, लकड़ी और रेशम से बनी होती थीं, जिसे 'वुडन बर्ड' यानी 'लकड़ी की चिड़िया' कहा जाता था। बाद में रेशम के कपड़े, बांस आदि की सहायता से पतंगें बनाई जाने लगीं। चीन में पतंग के आविष्कार की एक वजह यह भी थी कि उस दौर में पतंग बनाने का उपयुक्त सामान, जैसे- रेशम का कपड़ा, पतंग उड़ाने के लिए मजबूत रेशम का धागा और पतंग के शेप को सहारा देने के लिए हल्का और मजबूत बांस चीन में आसानी से उपलब्ध था।

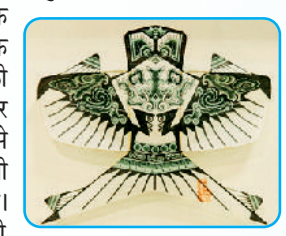

चीन में बनी शुरुआती दौर की पतंग

मनोरंजन नहीं था उद्देश्य: आज हम पतंगबाजी को एक खेल के रूप में देखते हैं, इसे मनोरंजन के लिए उड़ाते हैं। लेकिन शुरुआत में पतंग उड़ाना मनोरंजन नहीं था। पतंग का प्रयोग संदेश भेजने, हवा की गति और दिशा का पता लगाने, जासूसी जैसे उद्देश्यों के लिए किया जाता था। धीरे-धीरे उच्च और सामान्य वर्ग के लोगों की रुचि इसमे बढ़ती गई और पतंगबाजी शौक और मनोरंजन का साधन बन गई।

भारत में पतंग का प्रसार: पतंग बनाने की कला और इसे उड़ाने का शौक चीन, जापान, कोरिया, थाइलैंड जैसे देशों से होकर भारत पहुंचा। इसमें विदेशी यात्री, व्यापारी और बौद्ध भिक्षुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। देखते ही देखते पतंगबाजी भारत में काफी लोकप्रिय हो गई, यहां के पर्व-उत्सवों एवं संस्कृति का हिस्सा बन गई। आज बच्चे-बड़े सभी खुले आसमान में पतंग उड़ाते हैं, पतंग से जुड़े फेस्टिवल्स एंज्वॉय करते हैं। *

पौराणिक ग्रंथों और इतिहास में पतंग

बच्चो, मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उड़ाने को लेकर एक पौराणिक मान्यता भी है। तमिल ग्रंथ 'तंदनान रामायण' के अनुसार मकर संक्रांति के दिन पहली बार भगवान श्रीराम ने पतंग उड़ाई थी, जो इंद्रलोक तक चली गई थी। तभी से मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उड़ाने की परंपरा चली आ रही है। आधुनिक भारत के इतिहास की बात करें तो 1928 में साइमन कमीशन के विरोध में 'साइमन गो बैक' लिखे काली पतंगें उड़ाकर विरोध प्रदर्शन किया गया था। देश की आजादी के बाद उसी घटना की याद में स्वतंत्रता दिवस पर पतंग उड़ाने की परंपरा शुरू हुई।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

गोलू-दादू की दोस्ती

बच्चो, तुमको अपने दादाजी-नानाजी से बात करने, उनके संग खेलने में भी फ्रेंड वाली फीलिंग आती होगी। हाल में छपकर आई किताब 'गोलू मेरा दोस्त' में तुम एक प्यारे बच्चे गोलू और उसके दादू की दोस्ती से जुड़ी मजेदार कहानियां पढ़ सकते हो। इन नौ कहानियों में तुमको गोलू का नटखट स्वभाव, भोलापन और समझदारी देखने को मिलेगी। किसी कहानी में तुम पढ़ोगे कि गोलू के दादू, उसे बड़े प्यार से जीवन से जुड़ी उपयोगी सीख भी दे देते हैं। संग्रह की पहली कहानी 'गोलू मेरा दोस्त' में तुम पढ़ोगे कि गोलू कैसे दादू को गांव से अपने पास बुलाकर प्यारा सा सरप्राइज देता है! 'गोलू मेरा नाम' कहानी में जब तुम पढ़ोगे कि गोलू कैसे अपना नाम अभिनव के बजाय गोलू पुकारे जाने पर मुंह फुला लेता है और फिर दादू उसे उसकी गलती कुछ ऐसे समझाते हैं कि तुम हंसे बिना नहीं रहोगे। कामचोर का मतलब क्या होता है, इसका अर्थ समझने के लिए तुमको 'गोलू मस्त मोलू' कहानी पढ़नी होगी। किताब की अन्य कहानियां भी तुमको जरूर पसंद आएंगी। *

किताब: गोलू मेरा दोस्त (बाल कहानी संग्रह), **लेखक:** गोविंद शर्मा
मूल्य: 150 रुपए, **प्रकाशक:** पंचशील प्रकाशन, जयपुर

हंसगुल्ले

चिक्की : मिक्की, कल रात को सपने में मेरे पैर में कांटा चुभ गया था।
मिक्की : तुम चप्पल पहन कर सोया करो तब कांटा नहीं चुभेगा।
-खुशी, रायपुर

मिंकी (अपनी मम्मी से) : मम्मी, क्या जुबान के भी पैर होते हैं?
मम्मी : नहीं तो! क्यों?
मिंकी : तो फिर रिंकी मुझसे क्यों कहती रहती है कि तेरी जुबान बहुत चलती है?
-काम्या, भोपाल

चिंटू : बताओ, समांतर रेखाएं एक-दूसरे को क्यों नहीं काटती हैं?
मिंटू : क्योंकि उनके दांत नहीं होते।
-सुरेंद, रोहतक

जीके क्विज-187

1. वूमेंस टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी कौन बनी है?
2. भारत किस देश को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है?
3. हाल में दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय महिला का क्या नाम है?
4. महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश किस स्थान पर दिया था?
5. भारत के अंतिम गवर्नर जनरल कौन थे?
6. कोणार्क का सूर्य मंदिर किस राज्य में स्थित है?
7. गाजर में कौन-सा विटामिन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है?
8. भारत में पहली रेल किन दो स्थानों के बीच चली थी?
9. इलेक्ट्रिक आयरन को गर्म करने के लिए किस धातु का प्रयोग किया जाता है?
10. भरतनाट्यम किस राज्य की नृत्य शैली है?

बच्चों, जीके क्विज-187 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-186 का उत्तर : 1.स्मृति मंधाना, 2. 366 दिन, 3. 10 जनवरी, 4.मिजोरम, 5.मंगोलिया, 6.हाइड्रोजन, 7.माइटोकॉण्ड्रिया, 8.न्यूमिस्मेटिक्स, 9.गंगा डॉल्फिन, 10.विनय कुमार सक्सेना

जीके क्विज-186 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, आपु-रायगढ़, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, ज्योति-रायगढ़, गुंजा-रायपुर, रक्षित-बिलासपुर, अनन्या-दुर्ग, केशव-बिलासपुर, नमन-रोहतक, हर्ष-भोपाल, शिवांश-महासमुंद

कहानी

सरस्वती रमेश

राजू को तो यही पता था, मकर संक्रांति के दिन पतंग उड़ाकर त्योहार की खुशियां मनाई जाती हैं, लेकिन दादी ने बताया इस दिन दान दिया जाता है, जिसका एक अलग महत्व होता है। राजू को यह बात वास्तव में कितनी समझ में आई, क्या उसने मकर संक्रांति के दिन कोई दान किया?

मकर संक्रांति का दान

राजू के घर आज सुबह-सुबह पूरे परिवार ने स्नान किया। फिर सबने मकर संक्रांति की पूजा की। तिल के लड्डू खाए। खाने में राजू की मम्मी ने आज स्वादिष्ट खिचड़ी बनाई थी। दोपहर में सभी लोगों ने छत पर गुनगुनी धूप में बैठकर खिचड़ी खाई। मम्मी-पापा, दादा-दादी राजू और छोटी बहन पीहू ने खिचड़ी खाई। दादी ने राजू और पीहू से पूछा, 'जानते हो बच्चो, मकर संक्रांति के दिन क्या करते हैं?'

'हां.. हां.. जानता हूं। आज के दिन मजे से पतंग उड़ाते हैं।' राजू तपाक से बोला। 'हां पतंग तो उड़ाते हैं, लेकिन इस दिन को बहुत शुभ माना जाता है। गरीब लोगों को दान भी करते हैं। आज के दिन दान करने से उसका पुण्य कई गुना बढ़ जाता है।' दादी ने बताया।

'दान क्या होता है दादी?' पीहू ने भोलेपन से पूछा।

'दान मतलब किसी गरीब को कुछ देना। कोई खाने की चीज या वस्त्र आदि।' दादी बोलीं।

'फिर तो भैया आप मुझे अपनी बड़ी वाली पतंग दान कर दो न प्लीज।' पीहू ने मचलते हुए कहा तो सब हंस पड़े।

कुछ देर बाद राजू अपने पापा और बहन के साथ घर के पास ही ग्राउंड में पतंग उड़ाने गया। आसमान में रंग-बिरंगी पतंगें उड़ रही थीं। बच्चे, बड़े सब पतंगें उड़ा रहे थे। तभी वहां एक बच्चा दिखाई दिया। वह पेड़ के पीछे खड़ा होकर सबको पतंगें उड़ाता हुआ देख रहा था। ठंड काफी थी, लेकिन उस बच्चे ने सिर्फ एक हाफ शर्ट और नेकर पहन रखी थी। राजू के पापा की नजर उस पर पड़ी तो उन्होंने पूछा, 'अरे! तुम यहां क्यों छिपे हुए हो?' 'सबको पतंगें उड़ता देख रहा हूं।' वह बच्चा बोला।

'तुम्हारी पतंग कहां है?' राजू ने उससे पूछा।

'मेरे पास नहीं है।' बच्चा उदास स्वर में बोला।

'और इतनी ठंड में तुमने स्वेटर क्यों नहीं पहन रखा है? तुम्हें ठंड नहीं लग रही क्या?' पापा को अचरज हो रहा था।

'लग रही है। स्वेटर गंदा हो गया था तो मां ने धोकर सूखने के लिए डाल रखा है।' बच्चे ने सकुचाते हुए बताया।

'तो दूसरा पहन लेते।' पास खड़ी पीहू बोली।

'दूसरा नहीं है।' लड़का धीमी आवाज में बोला।

'अच्छा तुम्हारा नाम क्या है?' पापा ने पूछा।

'मोनू।' लड़के ने बताया।

'तुम रहते कहां हो?' पापा ने जानना चाहा।

'वो सामने बस्ती में।' बच्चे ने अंगुली के इशारे से बताया।

'क्या तुम मेरे बेटे का पुराना स्वेटर लेलोगे।' पापा ने पूछा।

'मां से पूछकर बताऊंगा।' इतना कहकर वह जाने लगा तो राजू ने उसे रोक लिया।

'यह लो मेरी पतंग और मांझा, ठीक से उड़ाना।' राजू ने अपनी पतंग-मांझा उसके हाथों में पकड़ा दिया।

पतंग पाकर बच्चा खुश हो गया और दौड़ते हुए घर की ओर चला गया। राजू पापा के साथ घर लौट आया। पापा ने घर में बच्चे की बात सभी को बताई। यह भी बताया कि राजू ने उसे अपनी पतंग दे दी।

'लेकिन शाम को तो सर्दी और बढ़ जाएगी। हमें उसे गर्म कपड़े भी देने चाहिए।' मम्मी ने सुझाव दिया।

'यदि उसने पुराने कपड़े न लिए तो?' पापा बोले।

'हम उसके लिए नए कपड़े देंगे।' राजू ने कहा।

'लेकिन इतनी जल्दी नए कपड़े आएंगे कहां से?' मम्मी बोलीं।

'आपने जो मेरे लिए नया स्वेटर खरीदा है, वही उसे दे दीजिए।' राजू तुरंत बोला।

'लेकिन वो तो तुम्हारे लिए है और महंगा भी बहुत है।' दादी बोलीं।

'दादी, सुबह आपने कहा था न कि आज गरीब को दान करना चाहिए। वह गरीब बच्चा है। उसे स्वेटर देंगे आज।' राजू ने दादी को सुबह वाली बात याद दिलाई। 'जरूर बेटा, तुमने तो संक्रांति की परंपरा को ठीक से समझ लिया है। ले आओ, अपना नया वाला स्वेटर। चलो अभी चलते हैं मोनू के घर।' पापा बोले।

राजू भाग कर अपने कमरे से स्वेटर ले आया और खुशी-खुशी पापा के साथ मोनू के घर की ओर चल पड़ा। घर में दादी, मम्मी और पीहू भी यह देखकर बहुत प्रभावित और खुश थे कि दयालु राजू के कारण एक गरीब का भला होगा। *

कविता

अखिलेश श्रीवास्तव चमन

एक पर्व के इतने नाम!

छोटे से मिस्टर अयान
सोच-सोच कर हैं हैरान
तिथि एक है, पर्व एक है
लेकिन इसके इतने नाम!
दक्षिण भारत में है पोंगल
उत्तर में कहलाता खिचड़ी
असम राज्य में बिहू कहते
पंजाबी कहते हैं लोहड़ी।
मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा
में होता है मकर संक्रांति
पर पश्चिम बंगाल के अंदर
कहलाता है पौष संक्रांति।
इस दिन सूरज दिशा बदल
उत्तरी गोलार्ध में आ जाता है
रातें छोटी होने लगतीं
दिन लंबाई पा जाता है।
भुनी मूंगफली, गुड़ की पट्टी
तिल की गजक, रेवड़ी खाकर
पूरा देश मनाया करता
है यह पर्व, पतंग उड़ाकर।

रंग भरो-193

रंग भरो-193 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

रुजुला, रोहतक

आशना, जांजगीर

पयोनिधि, अंबिकापुर

आन्या, दुर्ग

लालिमा, गरियाबंद

रेयांश, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

देव्यांश-दुर्ग, दिशांत-महेंद्रगढ़, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, सुमन-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, सौम्या-करनाल, रोहन-बिलासपुर, दिव्या-कोरबा, साकेत-बालोद

रंग भरो 194

बच्चो, यहां पतंग उड़ा रहे एक बच्चे का ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो: संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

बाबा गुरुघासीदास जयंती कार्यक्रम आज

पथरिया। बाबा गुरु घासीदास की 270वीं जयंती पर शुक्रवार को नगर पंचायत पथरिया में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक शामिल होंगे एवं अध्यक्षता मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले करेंगे। कार्यक्रम में बाबाजी के जीवन पर आधारित नाटक, प्रवचन, कविता, भाषण, गायन, वादन आदि प्रस्तुत किए जाएंगे। विशेष प्रस्तुति के लिए रंग छत्तीसा लोक नाट्य की गायिका पूनम तिवारी उपस्थित रहेंगी। उक्त जानकारी आयोजक प्रमुख रविंद्र बघेल ने दी है।

युकां का कलेक्ट्रेट घेराव जन आक्रोश रैली आज

पेंड्रा। जिला जीपीएम यूथ कांग्रेस कमेटी द्वारा विभिन्न जनहित मुद्दों को लेकर 9 जनवरी शुक्रवार को कलेक्ट्रेट घेराव एवं विशाल जन आक्रोश रैली का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी जिला यूथ कांग्रेस अध्यक्ष अमन शर्मा ने दी। अमन शर्मा ने बताया कि कलेक्ट्रेट घेराव कार्यक्रम में प्रदेश यूथ कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा एवं प्रदेश प्रभारी अमित पठानिया विशेष रूप से शामिल होंगे। जिला महासचिव रवि राय ने कार्यक्रम की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि, 9 जनवरी शुक्रवार को दोपहर 12 बजे सभी कार्यकर्ता सेमरा तिराहा में एकत्रित होंगे, जहां आमसभा के बाद कलेक्ट्रेट घेराव किया जाएगा।

विज्ञान अविष्कार अभियान के तहत विज्ञान क्विज

पेन्ड्रा। राष्ट्रीय विज्ञान अविष्कार अभियान के अंतर्गत विकासखंड पेंड्रा में विज्ञान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी एसएन सिंह एवं बीआरसी रामकुमार बघेल ने विद्यार्थियों को आशीर्वचन देते हुए विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता में प्राथमिक स्तर पर आशुतोष ने प्रथम, कविता पैकरा ने द्वितीय तथा सुप्रिया पैकरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं माध्यमिक स्तर पर हर्ष प्रथम, निकिता द्वितीय तथा आदर्श तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जबकि प्रतियोगिता में शामिल अन्य सभी विद्यार्थियों को भी प्रमाण पत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया।

निधन

प्रताप चंद्र तिवारी

बिलासपुर। केरा (शिवरीनारायण) निवासी प्रतापचन्द्र तिवारी (92 वर्ष) का गुरुवार को निधन हो गया। अंतिम संस्कार शुक्रवार को सुबह 10 बजे गृहग्राम - केरा में किया जाएगा। वे भारती पाण्डेय, चन्द्रशेखर तिवारी, रामगोपाल तिवारी, नरेन्द्र तिवारी, अश्वनी तिवारी के पिता थे।

महेन्द्र धर दीवान

बिलासपुर। रविशंकर विश्वविद्यालय के सेवानिवृत कर्मचारी महेन्द्र धर दीवान पिता स्व. श्याम धर दीवान कुकरा वाले का 7 जनवरी को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार महादेव घाट रायपुर में किया गया। वे स्व. बसंत धर दीवान, संत धर दीवान, स्व. जितेन्द्र धर दीवान के छोटे भाई, हर्ष, उल्लास, उमंग, पुलकित, प्रसन्न धर दीवान के पिता थे।

आशा पाराशर

बिलासपुर। नर्मदा नगर मकान नंबर एच 2 - 100 निवासी आशा पाराशर का 8 जनवरी को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 9 जनवरी को दोपहर 1 बजे उनके निवास से सरकंडा मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे एस के पाराशर की पत्नी, हेमंत, हिमांशु पाराशर व हेमा सरैया की मां, रिटायर्ड न्यायाधीश संजीव सरैया की सास और शिवांश, अन्वेशा व शिवांगी की दादी थीं।

विनय राज चौहान

बिलासपुर। रामपुरम अशोक नगर निवासी एवं पोस्टमैन के पद पर कार्यरत विनय राज चौहान का 8 जनवरी को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 9 जनवरी को दोपहर 2 बजे सरकंडा मुक्तिधाम के लिए निकलेगी।

टीकाराम साहू

लोरमी। ग्राम खपरीकला निवासी टीकाराम साहू का 86 वर्ष की आयु में 8 जनवरी को निधन हो गया। इनका अंतिम संस्कार 9 जनवरी को गृहग्राम खपरीकला में किया जाएगा। वे जवाहर लाल साहू, मानिक, जुगल, अंगद, रामा व कृष्णा साहू के पिता थे।

कर्रा में जल संरक्षण पर विशाल जनजागरूकता महाअभियान

अगली पीढ़ियों को पानी मिले इसलिए बचाना होगा जल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीपत

तेजी से गिरते भूजल स्तर को थामने और जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से मिशन जल रक्षा के तहत एनटीपीसी सीपत के प्रभावित ग्राम कर्रा में गुरुवार को विशाल जनजागरूकता महाअभियान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बिलासपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप अग्रवाल की उपस्थिति ने आयोजन को प्रशासनिक, सामाजिक और नीतिगत मजबूती प्रदान की। स्वागत भाषण देते हुए भाजपा मंडल उपाध्यक्ष अभिलेश यादव ने कहा कि, वर्ष 2020 में गठित कर्रा ग्राम ने पहले पंचवर्षीय कार्यकाल में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी। इस बार पूरा ग्राम निर्विरोध जनप्रतिनिधियों के साथ आगे बढ़ा है। किसानों ने सामूहिक रूप से निर्णय लेते हुए धान छोड़कर दलहन-तिलहन अपनाने का ऐतिहासिक कदम उठाया है। पूरे गांव में रबी सीजन में एक डिसमिल भी धान की खेती नहीं की गई, जो जल संरक्षण की दिशा में बड़ा उदाहरण है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने ग्रामवासियों का तालियों से अभिनंदन करते हुए कहा कि, कर्रा गांव के लोगों में अद्भुत परिपक्वता है। लोकतंत्र को सफल बनाने में आपकी भूमिका बहुत बड़ी है। उन्होंने कहा कि, कर्रा के लोगों ने केवल मंच पर बात नहीं की बल्कि योजनाओं का क्रियान्वयन भी शुरू कर दिया है, जो

कार्यक्रम में उपस्थित अफसर।

प्रशंसनीय है। कलेक्टर ने जल संकट पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि, हमारा मीठा पानी समुद्र में जाकर खारा बन जाता है और अनुपयोगी हो जाता है। आने वाली पीढ़ियों को पानी मिले, इसके लिए आज जल बचाना होगा। झलमला निवासी 78 वर्षीय दादूराम साहू को नियमित रूप से हेलमेट पहनने के लिए कलेक्टर ने मंच पर बुलाकर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सीपत सरपंच मनीषा योगेश वंशकार ने कलेक्टर को सीपत में जल जीवन मिशन के अधूरे कार्य पूर्ण करने, स्वामी आत्मानंद स्कूल में तीन किचन शेड निर्माण, शुक्ल महाविद्यालय के पास सार्वजनिक शौचालय हेतु भूमि की मांग को लेकर आवेदन दिया। वहीं सीपत व्यापारी संघ ने मुख्य मार्ग पर ट्रिपल ब्रेकर हटाकर सिंगल ब्रेकर बनाने की मांग रखी। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला प्रवक्ता प्रणव शर्मा ने किया एवं आभार रियाज अशरफी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में भाजपा जिपं सदस्य अरुणा चंद्रप्रकाश सूर्या, राजेंद्र धीवर, सहकारिता प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष तामेश्वर कौशिक, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राज्यवर्धन कौशिक, मंडल अध्यक्ष दीपक शर्मा, रवीश गुप्ता, जिला प्रवक्ता प्रणव शर्मा, उपाध्यक्ष अभिलेश यादव, रियाज अशरफी, कर्रा सरपंच जयंती संजय पटेल, जनपद सदस्य अनिता विजय गुप्ता, रेवाशंकर साहू, देव सिंह पोरते, देवेश शर्मा, उषा कैवर्त, सीपत सरपंच मनीषा योगेश वंशकार, राजेंद्र पाटले, धनेश्वर राठौर, धनलाल साहू, रिंकू शर्मा, हरिकेश गुप्ता, ललित यादव, वैभव तंबोली, हीरालाल यादव, आनंद दोरस, कुलदीप यादव, शुभम यादव, मस्तूरी एसडीएम प्रवेश पैकरा, तहसीलदार सोनू अग्रवाल, एनटीपीसी एचआर एजीएम सत्यकाम, डीजीएम शैलेश चौहान आदि मौजूद थे।

कर्रा गांव ने एक नई मिसाल कायम की: एसपी

बिलासपुर एसपी रजनेश सिंह ने कहा कि, हमारा इतिहास संघर्ष और विरोधों से भरा है, लेकिन कर्रा गांव ने एक नई मिसाल कायम की है, आप सभी सम्मान के हकदार हैं। उन्होंने कहा कि, बिना जल जीवन की कल्पना असंभव है। आने वाले समय में यदि युद्ध हुए तो पानी के लिए होंगे। कर्रा गांव मेरे मस्तिष्क में बस गया है, आप आधा काम पहले से ही कर रहे हैं। एसपी ने नशे को अपराध की जड़ बताते हुए कहा कि, नशे से परिवार और समाज दोनों बर्बाद होते हैं, जिससे समाज की प्रगति रुक जाती है। जुहली की महिलाओं द्वारा नशामुक्ति अभियान चलाने की सराहना करते हुए एसपी ने साइबर अपराध से सतर्क रहने, कानून का उल्लंघन ने करने एवं हेलमेट पहनकर वाहन चलाने की अपील की।

यहां की जनता विकास के लिए पूरी तरह कटिबद्ध: सीईओ

जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल ने कहा कि, ऐसे आयोजनों से समाज को एक मजबूत मंच मिलता है। कर्रा आज एक आदर्श ग्राम की तरह दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि लगातार निर्विरोध चुनाव होना यह दर्शाता है कि, यहां की जनता विकास के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है। उन्होंने कहा जब महिला आगे बढ़ती है, तो पूरा परिवार सशक्त और समृद्ध बनता है। प्लास्टिक मुक्त पहल की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि, प्रस्ताव पास करना आसान है, लेकिन उसे जीवन में उतारना कठिन, कर्रा ने इसे व्यवहार में उतारा है।

जल ही जीवन सिर्फ नारा नहीं बल्कि वास्तविकता: मंडल

एनटीपीसी कार्यकारी निदेशक स्वपन मंडल ने कहा कि, जल ही जीवन सिर्फ नारा नहीं, बल्कि वास्तविकता है। यदि प्रदूषण और लापरवाही इसी तरह बढ़ती रही तो यह अमूल्य संसाधन समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण नहीं हुआ तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा।

पाठकों और आमजन का मार्गदर्शन करेगा हरिभूमि का कैलेंडर: धरमलाल

पथरिया। पथरिया सेंटर के हरिभूमि वार्षिक कैलेंडर का विमोचन गुरुवार को क्षेत्रीय विधायक धरमलाल कौशिक ने किया। धरमलाल कौशिक के निवास पर आयोजित विमोचन कार्यक्रम में क्रेडा अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी, पथरिया नपं अध्यक्ष प्रतिनिधि रघु वैष्णव, भाजपा महामंत्री बलराम जायसवाल, शालेय शिक्षक संघ के अध्यक्ष गुनाराम निर्मलकर आमंत्रित रहे।

■ बिल्हा विधायक ने किया हरिभूमि के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन

धरमलाल कौशिक ने कहा कि हरिभूमि ने इस वर्ष के कैलेंडर को और आकर्षक एवं जनोपयोगी बनाया गया है, निश्चित ही यह कैलेंडर अपने पाठकों और आमजनों का मार्गदर्शन करेगा। क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी ने कहा कि, हरिभूमि समाचार पत्र सदैव जनाकांक्षाओं के अनुरूप अपने दायित्वों का निर्वाह करता है। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रघु वैष्णव व भाजपा मंडल महामंत्री बलराम जायसवाल ने कैलेंडर को दैनिक जीवन में उपयोगी बताया। शालेय शिक्षक संघ के अध्यक्ष गुना राम निर्मलकर ने कहा कि हरिभूमि कैलेंडर में तिथियों से संबंधित सटीक जानकरी मिलने से शासकीय कर्मचारियों, अधिकारियों को सहायता मिलती है। हरिभूमि के पथरिया प्रतिनिधि रवि निर्मलकर ने अतिथियों का आभार जताया। हरिभूमि कैलेंडर के संकलन में जिपं सभापति अनिला देवेंद्र राजपूत, नपं अध्यक्ष हुलसी रघु वैष्णव, उपाध्यक्ष मनोज पांडेय, पूर्व अध्यक्ष जसपाल छाबड़ा, मुंगेली जिला भाजपा उपाध्यक्ष हरिशंकर वर्मा, लौदा मंडल अध्यक्ष अभिलाश त्रिवेदी, जनपद सभापति जगदीश वर्मा, पथरिया सहकारी समिति अध्यक्ष सुखदेव वर्मा, जेवरा सहकारी समिति अध्यक्ष सुरेश कुमार पटेल, भाजपा नेता राजेन्द्र साहू, हथनिकला सरपंच प्रीतम कोशले, भटगांव सरपंच चोवा ओगरे, जरेली सरपंच देवकी गजानन सिंगरौल, कांग्रेस नेता सौरभ शुक्ला, पथरिया तहसील अधिवक्ता संघ, पटवारी संघ, संकुल समन्वयक संघ, दंतेश्वरी फ्यूल एंड ट्रेडर्स, शंकर ट्रेडर्स, राजपूत ट्रेडर्स, पटेल बोरवेल, छाबड़ा कृषि केंद्र, नवरंग कंट्रक्शन, शासकीय कंट्रैक्टर प्रभात यादव, मनीष यादव, बादल पात्रे, भुनेश्वर भगत साहू, टीका राम वर्मा प्रमुख है।

संगम क्रिकेट क्लब प्रतियोगिता के फाइनल में छुटकू ने मारी बाजी

तखतपुर। संगम क्रिकेट क्लब प्रतियोगिता के फाइनल ग्राम पंचायत चितावर में आयोजित किया गया, जिसमें छुटकू की टीम ने बीरगहनी को हराककर खिताब पर कब्जा जमाया।

बिरगहनी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 6 विकेट खोकर 98 रन बनाया, जिसके जबाव में बल्लबाजी करने उतरी घुटकू की टीम ने 1 विकेट खोकर मुकाबला जीत लिया। इस दौरान जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि संतोष वस्त्रकार ने कहा कि, प्रतियोगिता में हार-जीत का एक अलग स्थान है, लेकिन खिलाड़ी का भावना के साथ खेलना यह सबसे प्रमुख बात है। सरपंच देवा सिंगरौल ने कहा कि,

ग्रामीण प्रतिभाओं को एक अच्छा मैदान मिल सके, इसके लिए इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आने वाले वर्षों में इस आयोजन को और बेहतर करने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर जिपं सदस्य शिवेंद्र कौशिक, जनपद सदस्य रामकुमार सिंगरौल, जनपद सदस्य अनिल टांडे, सकरी मंडल अध्यक्ष रवि मेहर, गेंदालाल साहू, गौरव धनकर, उपसरपंच रज्जू यादव, अग्रेश्वर, शगुन, शत्रुघन सहित अन्य उपस्थित रहे।

धनेश बने अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिला कार्यकारिणी के सदस्य

मस्तूरी। संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय एवं जनहितैषी बनाने के उद्देश्य से जिला अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की बैठक बिलासपुर में आयोजित की गई।

बैठक में संगठन की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए जिला कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया, जिसमें विभिन्न दायित्वों हेतु पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया। इस अवसर पर वेद परसदा निवासी धनेश रजक को उनके निरंतर सामाजिक कार्यों, उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण हेतु सक्रिय भूमिका, जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता तथा संगठनात्मक अनुभव को देखते हुए जिला कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मनोनित किया गया। धनेश रजक लंबे समय से सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए उपभोक्ता जागरूकता, जनहित के मुद्दों, सामाजिक न्याय एवं नागरिक अधिकारों से जुड़े विषयों पर सतत कार्य करते आ रहे हैं।

धान उपार्जन केंद्र नवागांव में अनियमितता

मुंगेली। धान उपार्जन केंद्र नवागांव ची. में स्टेट स्तर से प्राप्त अलर्ट के आधार पर की गई जांच में गंभीर अनियमितता सामने आई है। अलर्ट के माध्यम से यह सूचना मिली थी कि, जारी डीओ के अनुसार खरीदी केंद्र प्रभारी द्वारा मिलर को कम धान भेजा गया है, तथा उपार्जन केंद्र में अतिरिक्त धान रखा गया है, जिसे अन्य किसानों के नाम पर खपाने का प्रयास किया जा सकता है।

■ खरीदी प्रभारी व कंप्यूटर ऑपरेटर निलंबित

कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देश पर राजस्व, सहकारिता एवं खाद्य विभाग के जिला एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा उपार्जन केंद्र का भौतिक सत्यापन किया गया। सत्यापन के दौरान उपार्जन केंद्र नवागांव में 234 बोरी

अतिरिक्त धान पाया गया, जो ऑनलाइन दर्शित मात्र से अधिक था। उक्त मामले में सहायक आयुक्त सहकारिता द्वारा खरीदी प्रभारी एवं कंप्यूटर ऑपरेटर को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर 2 दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे, किंतु दोनों की ओर से प्रस्तुत स्पष्टीकरण समाधानकारक नहीं पाए गए। इस पर खरीदी प्रभारी एवं कंप्यूटर ऑपरेटर को तत्काल प्रभाव से हटाते हुए निलंबित कर दिया गया है। साथ ही उनके विरुद्ध सेवा से पृथक करने हेतु आवश्यक कार्रवाई के संबंध में भी निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इस प्रकरण के बाद कलेक्टर ने जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों के खरीदी प्रभारियों एवं मिलर्स की बैठक लेकर स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि, किसी भी उपार्जन केंद्र में यदि अनियमितता, शासन को आर्थिक क्षति पहुंचाने का प्रयास या नियमों की अवहेलना पाई जाती है, तो संबंधितों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

तालाब में युवक की लाश मिलने से गांव में हड़कंप

रतनपुर। रतनपुरथाना क्षेत्र के ग्राम भरहीडीह के तालाब में युवक की लाश मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान इंद्रजीत कश्यप पिता संतोष कश्यप उम्र 25 वर्ष के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि, युवक पिछले तीन दिनों से घर से लापता था। गांव से कुछ ही दूरी पर स्थित एक नए तालाब में ग्रामीणों ने युवक का शव पानी में तैरता हुआ देखा, जिसके बाद इसकी सूचना तुरंत रतनपुर पुलिस को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलते ही रतनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकला गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हो सकेगा।

कार्यक्रम स्थल से पार हुई बाइक, मामला दर्ज

तखतपुर। कार्यक्रम देखने गए युवक की दुपहिया पार हो गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जोरापारा मोछ निवासी अखिलेश कोशले ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि, 6 जनवरी को वह दुपहिया सीजी 10 एएच 5614 से कार्यक्रम देखने अरईबंद गया हुआ था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद रात 11 बजे वह दुपहिया रखने वाले स्थान पर गया तो, वाहन वहां से गायब था। पुलिस ने धारा 303,2 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया है।

वरिष्ठ दवा दुकान संचालकों को किया गया सम्मानित

औषधि विक्रेता संघ व मेडिकल स्टोर्स संचालकों की बैठक

मल्हार। जिला औषधि विक्रेता संघ बिलासपुर के पदाधिकारियों और मस्तूरी, मल्हार, जयराम नगर, जोन्धरा जोन के 200 मेडिकल स्टोर्स संचालकों की बैठक बुधवार को मां डिडनेश्वरी परिसर में आयोजित की गई। बैठक में सहायक औषधि नियंत्रक भीष्मदेव सिंह तथा ड्रग इंस्पेक्टर सोनम जैन विशेष रूप से उपस्थित थे। इस दौरान जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा, सचिव सचिदानंद तीर्थानी, कोषाध्यक्ष हरेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष पवन छाबड़ा, संगठन सचिव जे साईं प्रसाद, अजीत वर्मा, विशाल गोयल, नृपेंद्र दत्ता, जीवेश वोरा, संजय मोहबे आदि की उपस्थिति में क्षेत्र के वरिष्ठ दवा दुकानदार रामायण प्रसाद पांडेय, सुनहर चंदेल, रविंद्र वैष्णव, केसर देवांगन, रमेश यादव, नरेंद्र शर्मा को शॉल, श्रीफल व मां डिडनेश्वरी का छायाचित्र भेंटकर सम्मानित किया गया। डीसीडीए के अध्यक्ष राकेश बंटी शर्मा ने संचालकों की समस्या का निपटारा, नवीनीकरण, दवाइयों को बेच नंबर से ही खरीदने-बेचना तथा जनरल स्टोर से बिकने वाली दवाइयों पर रोक लगाने आदि के संबंध मे विस्तार से चर्चा की। चौकी प्रभारी अवधेश सिंह ने मेडिकल स्टोर संचालकों से सतर्कता से दुकान संचालित करने एवं प्रतिबंधित दवा आदि न बेचने की अपील की। इस अवसर पर डिडनेश्वरी ट्रस्ट अध्यक्ष अनिल केवट, संजीव पांडे, प्रकाश तिवारी, शेषनारायण गुप्ता, जतन केवट, चंदू राम केवट, हुलासराम देवांगन, बलराम गिरी, वीरेंद्र शर्मा, पंकज सरकार, रविंद्र वैष्णव, केसर देवांगन, प्रकाश तिवारी, राकेश यादव, केशर देवांगन, विनोद पटेल, रामनारायण भारद्वाज, देवेंद्र भारद्वाज, संगीता राठौर, सुनील गुप्ता, मनीष अग्रवाल आदि मौजूद थे।

ड्रग रूल का पालन जरूरी

एडीसी सिंह ने दवा दुकानदारों से अपील करते हुए कहा कि, दवा नियम का पालन करते हुए निर्भिक होकर व्यवसाय करें। साथ ही उन्होंने विशेष केटेगरी वाली दवाओं की खरीदी बिक्री सावधानी के साथ करने की सलाह दी। उन्होंने शेड्यूल एचवन रजिस्टर मेंटेन करने पर जोर दिया एवं अलावा दुकान में सीसीटीवी कैमरा व कम्प्यूटर अवश्य रूप से लगाने की बात कही।

पटेल समाज महासभा की कार्यकारिणी का निर्वाचन

तखतपुर। हरदिहा मरार पटेल समाज की अरपा-मनियारी महासभा की कार्यकारिणी का निर्वाचन तखतपुर के ग्राम 5 खपरी में हुआ। निर्वाचन प्रदेश कार्यकारिणी के तत्वावधान में व छत्तीसगढ़ के सभी नौ राज के प्रमुख पदाधिकारियों की उपस्थिति में हुआ।

चुनाव अधिकारी परमानंद पटेल व कुंजराम पटेल के निर्देशन में चुनाव प्रक्रिया संपन्न की गई। निर्वाचन में ग्राम मोढ़े निवासी डॉ संतोष कुमार पटेल अध्यक्ष, ग्राम कछार निवासी दिलीप पटेल उपाध्यक्ष, धूमा निवासी भगवती प्रसाद पटेल कोषाध्यक्ष और ग्राम लाटा के विशालनाथ पटेल सचिव निर्वाचित हुए। वहीं सह-सचिव के रूप में ग्राम तुरकाडीह के हेतराम पटेल निर्विरोध निर्वाचित किए गए। अरपा एवं मनियारी केंद्र के सभी डिवहार अध्यक्षों एवं सचिवों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा के वर्तमान अध्यक्ष दिलहरण पटेल ने की। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष सुरेन्द्र पटेल, शाकम्भरी बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष रामकुमार पटेल, रामचंद्र पटेल खटियापाटी, परमानंद पटेल, बसंत पटेल पाली, गीताराम पटेल, जनकराम पटेल, भोजवाराम पटेल मौजूद रहे। मुख्य अतिथि तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह ने ग्राम खपरी में सामाजिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की।

अधिवक्ता संघ के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए विधायक

अधिवक्ता समाज न्याय व्यवस्था की मजबूत कड़ी है: धर्मजीत

तखतपुर। अधिवक्ता संघ के शपथ ग्रहण समारोह में विधायक धर्मजीत मुख्य अतिथि के रूप में सिंह शामिल हुए। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता नगरपालिका अध्यक्ष पूजा मक्कड़ ने की। साथ ही जिपं उपाध्यक्ष ललिता संतोष कश्यप, भाजपा जिला महामंत्री प्रदीप कौशिक, भाजपा जिला उपाध्यक्ष संतोष कौशिक, अश्वनी शर्मा व दिनेश राजपूत अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

स्वागत भाषण अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष सत्येंद्र जायसवाल ने प्रस्तुत किया एवं उन्होंने अधिवक्ताओं की विभिन्न समस्याओं एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मांग पत्र प्रस्तुत किया। इस मौके पर विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि, अधिवक्ता समाज न्याय व्यवस्था की मजबूत कड़ी है, और

लोकतंत्र को सशक्त बनाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि, अधिवक्ता न केवल न्यायालय, बल्कि समाज को सही दिशा देने में भी अहम योगदान देते हैं। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अधिवक्ता संघ अध्यक्ष विवेक पांडेय ने किया तथा आभार प्रदर्शन अजय सोनकर ने किया। इस अवसर पर जीवन पांडेय, अनुपमा पांडेय, लवली हुरा, अंकित अग्रवाल, सुनिल जांगड़े, हरविंदर हुरा, अभिषेक पांडेय, अमित मंदानी, राहुल तिवारी, प्रमोद ठाकुर, सीएमओ अमरेश सिंह, पारथ सिंह ठाकुर, अजय सोनकर, दुर्गा सिंह ठाकुर, नैन लाल साहू, रविकांत सोनी, ललित यादव ,प्रदीप यादव, सनत यादव, भारत तोलानी, संजू मिश्रा, रवि कौशिक, आनंद बंसल, दीपक देवांगन, हरेश कश्यप, जुगल किशोर पांडे, विजय दुबे, पुरुषोत्तम सिंह, ठाकुर जनक प्रजापति, अनिल तिवारी, रघुनंदन दीवान ,राकेश, शारदा प्रसाद कश्यप, छवि राज क्षत्रिय, मलय जहानी, विमल यादव, विमल आदि मौजूद थे।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक कोनी तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.)
ज्ञापन
क्रमांक/कार्यालय/रा.नि./क्यू./2025
कोनी, दिनांक 8.01.2026
1. संतोषी कौशिक 2. असलम अली
विषय: सीमांकन में उपस्थित होने बावत् सूचना पत्र।
उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि ग्राम कोनी म.नं. 01 प.ह.नं. 23 राजस्व निरीक्षक मंडल कोनी तहसील व जिला बिलासपुर स्थित भूखण्ड खसरा नम्बर 24/15 रकबा क्रमशः 1150 वर्गफुट के सीमांकन हेतु छ.ग. भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 129 के तहत तहसीलदार बिलासपुर के न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।
संदर्भित आदेश के परिपालन में आवेदित भूमि का सीमांकन दिनांक 14.01.2026 को समय 11.00 से 5.00 बजे के किया जातना है अत: आप दस्तावेज सहित नियत तिथि एवं समय में उपस्थित रहे। उक्त समय पश्चात की गई आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।
राजस्व निरीक्षक
कोनी

न्यायालय तहसीलदार सकरी, जिला बिलासपुर (छ.ग.)
ईश्तहार
मा.क्र. अ-6 अ/2025-26,
ग्राम लोखण्डी, तहसील सकरी
एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम लोखण्डी प.ह.नं..54, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका उर्मिला बाई पति रामकुमार व अन्य निवासी साकिन पीड़ा तहसील पथरिया जिला मुंगेली छ.ग. के द्वारा लेख किया गया है कि ग्राम घुरू प.ह.नं. 43, रा.नि.मं. व तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नंबर 396/67 रकबा 0.020 हे. भूमि स्थित है जिसे आवेदक द्वारा क्रय कर आधिपत्य में प्राप्त किया गया है। यह कि वाद भूमि का रकबा वर्तमान ऑनलाईन रिकार्ड में त्रुटिपूर्ण 0.0040 दर्ज हो गया है, जिससे आवेदक को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अत: वर्तमान ऑनलाईन राजस्व रिकार्ड में रकबा संशोधन किये जाने हेतु इस न्यायालय के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह अपनो दावा /आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में नियत पेशी दिनांक 16.01.2026 तक प्रस्तुत कर सकते हैं।
आज दिनांक 26/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा अंकित कर जारी किया गया।
तहसीलदार सकरी

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार बिलासपुर (छ.ग.)
ईश्तहार
क्रमांक /क/अति.तह./वा./2025
बिलासपुर, दिनांक 06/01/2026
रा.प्र.क्र...../अ-6 (अ) /2025-26
ग्राम-मंगला, प.ह.नं. 35
ग्राम मंगला के सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि मौजा-मंगला, प.ह.नं. 35, तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.) स्थित भूमि ख.नं.1247/33, रकबा 0.19 एकड़ भूमि का छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115 के तहत अभिलेख दुरुस्ती के लिए आवेदक श्री किशन लाल यादव पिता स्व.जीवराखन यादव, निवासी महर्षि स्कूल रोड, मंगला बिलासपुर तहसील बिलासपुर, जिला बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
यदि किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति /दावा हो तो मेरे न्यायालय में दिनांक 22/1/2026 को प्रात: 11.00 स्वयं अथवा अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति /दावा प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि पश्चात प्राप्त आपत्ति /दावा स्वीकार नहीं किये जावेंगे।
आज दिनांक 6/1/2026 को मेरे पदमुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी।
अतिरिक्त तहसीलदार
बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार सकरी, जिला बिलासपुर (छ.ग.)
ईश्तहार
मा.क्र. अ-63/2025-26
ग्राम सकरी, तहसील सकरी
एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम सकरी प.ह.नं. 45 तहसील सकरी, जिला बिलासपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती सुनैना कौशिक पति श्री कमल कौशिक जाति कुर्मी निवासी 27 खोली विकास नगर बिलासपुर तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग. के द्वारा लेख किया गया है कि ग्राम सकरी म.नं. 01, प.ह.नं. 45 रा. नि.मं. सकरी तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग. में स्थित असिंचित कन्हार भूमि ख.नं. 183/1ख/2 में से रकबा 0.08/1/2 एकड / 3706 वर्गफीट / 0.0340 हे. भूमि आवेदिका एवं सुनीता कौशिक पति श्री भोला कौशिक निवासी विकास नगर बिलासपुर के द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से पंजीयन कराकर क्रय किया गया है एवं आवेदिका क्रय दिनांक से काबिज, कास्त है। यह कि उक्त आवेदित भूमि वर्तमान ऑनलाईन राजस्व रिकार्ड में खसरा नं. 183/1ख/4 रकबा 0.08 1/2 एकड़ / 3706 वर्गफीट / 0.0340 हे. भूमिस्वामी पिता...कृषि भूमि दर्शित हो रहा है, जो कि त्रुटिपूर्ण है। अत: उक्त भूमि में लिपिकीय त्रुटि के स्थान पर आवेदिका एवं श्रीमती सुनीता कौशिक पति श्री भोला कौशिक के नाम दर्ज कर रिकार्ड दुरूस्त कराने हेतु इस न्यायालय के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा / आपत्ति हो तो वह अपना दावा/ आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में नियत पेशी दिनांक 12.01.2026 तक प्रस्तुत कर सकते हैं।
आज दिनांक 26.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा अंकित कर जारी किया गया।
तहसीलदार
सकरी

खबर संक्षेप

छग राजभाषा आयोग का प्रांतीय सम्मेलन कल से

बिलासपुर। संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग का 10 जनवरी से दो दिवसीय प्रांतीय सम्मेलन का आयोजन बिलासपुर सिम्स ऑडिटोरियम में किया जाएगा। यह आयोजन संस्कृति एवं पर्यटन छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री राजेश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य, विधायक अमर अग्रवाल की अध्यक्षता एवं विधायक धरमलाल कौशिक, धरमजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, अटल श्रीवास्तव, मेयर पूजा विधानी, सचिव संस्कृति विभाग डॉ रोहित यादव, संचालक संस्कृति विभाग विवेक आचार्य एवं संभागायुक्त बिलासपुर सुनील जैन के विशिष्ट आतिथ्य में किया जाएगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ विनय कुमार पाठक रहेंगे। छत्तीसगढ़ी को राजकाज की भाषा बनाने एवं इसके संरक्षण संवर्धन करने आयोजित इस सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के साहित्यकार सम्मिलित होंगे। इस दो दिवसीय आयोजन में पंजीयन 10 जनवरी को सुबह साढ़े नौ बजे से ग्यारह बजे तक होगा। तत्पश्चात उद्घाटन सहित विभिन्न सत्रों में साहित्यकार सम्मान, विमोचन, विचार सगोष्ठी एवं शाम 6 बजे से छत्तीसगढ़ी कवि सम्मलेन का आयोजन किया जाएगा। 11 जनवरी को सुबह साढ़े दस बजे से 4 बजे तक विभिन्न सत्र तथा शाम 6 बजे समापन होगा।

जीवनदीप समिति की बैठक 15 को

बिलासपुर। राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी के जीवनदीप समिति की बैठक संभागायुक्त सुनील जैन की अध्यक्षता में 15 जनवरी को दोपहर 12 बजे से राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी के सभाकक्ष में होगी। बैठक में संबंधित अधिकारियों को उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

सतर्कता मॉनिटरिंग समिति की बैठक 15 को

बिलासपुर। जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में 15 जनवरी को शाम 4 बजे से होगी। बैठक में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत वर्ष 2025-26 में दर्ज प्रकरणों के निराकरण की स्थिति पर एवं अधिनियम के तहत न्यायालय में लंबित प्रकरणों पर चर्चा की जाएगी।

नान इंटरलाकिंग से टाटा बिलासपुर 14 तक रद्द

बिलासपुर। टाटानगर से बिलासपुर के बीच चलने वाली ट्रेन को नान इंटरलाकिंग के कारण 8 से 14 जनवरी तक रद्द करने का निर्णय लिया गया है। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार नॉन इंटरलाकिंग का कार्य किया जा रहा है। इसकी वजह से 18113/18114 टाटानगर-बिलासपुर और बिलासपुर से टाटानगर के बीच चलने वाली ट्रेन का संचालन 8 से 14 जनवरी तक रद्द है।

आदेश से शिक्षकों के साथ पालकों में रोष | **20 जनवरी तक पूरी करनी होगी प्री-बोर्ड और प्रैक्टिकल परीक्षा, डीपीआई के आदेश से हड़कंप**

अधूरे कोर्स, प्रैक्टिकल परीक्षा और अब प्री-बोर्ड, तीनों का दबाव एक साथ, 6 लाख छात्रों की मुश्किलें बढ़ीं

बिलासपुर। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में 10 वीं-12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षाओं के बीच डीपीआई ने 15 जनवरी तक प्री-बोर्ड परीक्षा पूरी करने का निर्देश दिया है। छुट्टियों, अधूरे कोर्स और एसआईआर ड्यूटी के चलते यह आदेश छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए परेशानी का कारण बन गया है।

शिक्षकों का कहना है कि आदेश तो निभाना होगा लेकिन इसका असर छात्रों पर पड़ेगा। अधूरे कोर्स, प्रैक्टिकल परीक्षा और अब प्री-बोर्ड तीनों का दबाव एक साथ पड़ने से छात्रों की तैयारी प्रभावित हो सकती है। शिक्षकों के मुताबिक स्कूल स्तर पर उम्मीद की जा रही थी कि प्रैक्टिकल परीक्षा के बाद प्री-बोर्ड होंगे, लेकिन डीपीआई के ताजा आदेश ने पूरी व्यवस्था को उलझा दिया है। ध्यान रहे कि इस साल छत्तीसगढ़ बोर्ड ने 1 मार्च के बजाय 20 फरवरी से बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करने का फैसला किया है। गौरतलब है कि सरकारी हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों में कक्षा 10वीं और

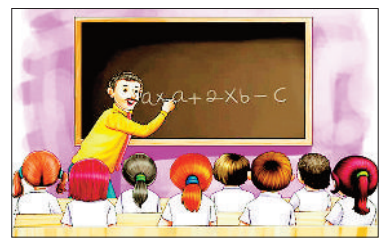

12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के तय कैलेंडर के अनुसार इन परीक्षाओं को हर हाल में 20 जनवरी तक पूरा किया जाना है। इसी बीच लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने प्री-बोर्ड परीक्षा आयोजित करने का आदेश जारी कर दिया है, जिससे स्कूलों की परेशानी बढ़ गई है। डीपीआई ने साफ निर्देश दिया है कि प्री-बोर्ड परीक्षाएं 15 जनवरी तक हर हाल में पूरी की जाएं। डीपीआई का यह आदेश 3 जनवरी को जारी किया गया, जबकि 4 और 5 जनवरी को अवकाश रहा।

छात्रों पर बढ़ा मानसिक दबाव

इसके साथ ही जिन छात्रों की प्री-बोर्ड परीक्षा ली जानी है, वे इस समय प्रैक्टिकल परीक्षाओं की तैयारी में जुटे हुए हैं। कई स्कूलों में प्रैक्टिकल परीक्षाएं शुरू भी हो चुकी हैं और 20 जनवरी तक चलेंगी। ऐसे में 15 जनवरी तक प्री-बोर्ड परीक्षा पूरी करने का दबाव छात्रों पर अतिरिक्त मानसिक बोझ डाल रहा है। शिक्षकों का कहना है कि प्रैक्टिकल के बीच प्री-बोर्ड की तैयारी करना छात्रों के लिए आसान नहीं होगा। विद्यालय प्रबंधन के सामने भी यह सवाल खड़ा हो गया है कि एक साथ परीक्षा संचालन, मूल्यांकन और प्रायोजना कार्यों को कैसे संभाला जाए। प्रैक्टिकल अंकों को पोर्टल पर अपलोड करने का अतिरिक्त भार भी बढ़ गया है। इस कारण शिक्षक, छात्र और पालक सभी तनाव में लगातार परीक्षाओं के कारण जहां शिक्षकों पर अतिरिक्त कार्यभार बढ़ा है।

तालमेल के अभाव से बढ़ी परेशानी

दरअसल माशिमं और डीपीआई के आदेशों में तालमेल नहीं होने के कारण स्कूलों के सामने गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। दोनों परीक्षाओं की तिथियां लगभग एक-दूसरे से टकरा रही हैं, जिससे कार्य दिवस कम पड़ रहे हैं और विद्यालयों को मजबूरी में एक दिन में दो परीक्षाएं करानी पड़ रही हैं। शिक्षकों के अनुसार 10 वीं और 12 वीं की प्रायोगिक परीक्षाओं में बाह्य परीक्षक की व्यवस्था अनिवार्य है। यानी दूसरे स्कूलों के शिक्षक परीक्षा लेने आते हैं। ऐसे में जब शिक्षक प्रायोगिक परीक्षा के लिए अन्य विद्यालयों में जाते हैं, तो उनकी कक्षाओं की परीक्षाएं और उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन प्रभावित हो रहा है।

स्वास्थ्य और पढ़ाई को लेकर चिंता बढ़ी

छुट्टियों के तुरंत बाद प्रैक्टिकल परीक्षाओं के बीच प्री-बोर्ड परीक्षा कराने के निर्देश से प्राचार्य और शिक्षक असमंजस में हैं। शिक्षकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि प्रैक्टिकल और प्री-बोर्ड परीक्षाओं को एक साथ कैसे मैनेज किया जाए, क्योंकि दोनों के लिए अलग-अलग तैयारी और समय की जरूरत होती है। इसके अलावा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कराए जा रहे एसआईआर कार्य में भी शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। इसका सीधा असर पढ़ाई पर पड़ा है। कई स्कूलों में कोर्स अभी पूरा नहीं हो पाया है, जबकि प्रैक्टिकल और प्री-बोर्ड परीक्षाएं एक के बाद एक शुरू हो चुकी हैं। पालकों में बच्चों के स्वास्थ्य और पढ़ाई को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है।

माशिमं डीपीआई में तालमेल नहीं

माशिमं और डीपीआई के बीच समुचित तालमेल नहीं होने का खामियाजा सीधे तौर पर शिक्षक, विद्यार्थी और पालक भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकांश स्कूलों में बाह्य परीक्षकों की उपलब्धता के कारण 5 जनवरी के बाद ही प्रायोगिक परीक्षाएं शुरू हो सकी हैं, जबकि प्री-बोर्ड परीक्षा के लिए अलग से समय और तैयारी की आवश्यकता होती है। ऐसे में वर्तमान आदेश व्यवहारिक नहीं हैं।

- संजय शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन

तिथि बढ़ाने कहा गया है

प्री बोर्ड परीक्षा बहुत जरूरी है। इसमें माशिम के ब्लू प्रिंट के हिसाब से प्रश्न पत्र तैयार किए जाते हैं। यह बोर्ड के परीक्षार्थियों के लिए काफी अहम साबित होता है। इसके बाद भी डीपीआई से प्री बोर्ड की तिथि बढ़ाने के लिए अनुरोध किया गया है।

- विजय तांडे, जिला शिक्षा अधिकारी

हटाए गए लोगों को इमलीपारा के अटल आवास में शिफ्ट किया गया

बंसोड़ मोहल्ले में बवाल, बुलडोजर पर चढ़े लोग विरोध और हंगामे के बीच 60 मकान तोड़े गए

ड्रीमलैंड स्कूल सरकंडा के पास बसोड़ मोहल्ले में निगम ने हटाया अतिक्रमण।

कार्रवाई के बाद बिखरा मलबा।

40 परिवारों को इमलीभाठा में शिफ्ट किया गया

निगम अधिकारियों के मुताबिक अतिक्रमणकारियों को सितंबर से अब तक तीन बार नोटिस और कई बार मोहलत दी जा चुकी थी। इसके बाद भी जगह खाली नहीं करने पर कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि 66 परिवारों को मकान खाली कराने और उन्हें इमलीभाठा स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने घरों में स्थानांतरित करने पर पहले ही सहमति बन चुकी थी। इसमें से 40 परिवारों को इमलीभाठा में शिफ्ट किया गया है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

इंदिरा विहार कॉलोनी से सटे बंधवापारा बंसोड़ मोहल्ले में गुरुवार को निगम ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। नगर निगम अमले ने पुलिस की मौजूदगी में 60 से अधिक बेजा कब्जा वाले मकानों को ढहा दिया। इस दौरान वहां के लोगों ने कार्रवाई का विरोध भी किया और निगम के बुलडोजर रोक लिया। कुछ लोग बुलडोजर के सामने बैठक गए। हालांकि पुलिस की मौजूदगी और अधिकारियों की सख्ती के बाद कार्रवाई पूरी की गई। हटाए गए लोगों को इमलीपारा के अटल आवासा में शिफ्ट किया गया है। अब निगम यहां पर आक्सीजोन बनाकर ग्रीनरी बढ़ाने पर काम करने की बात कह रहा है। इसके साथ ही सड़क चौड़ीकरण और नाली भी बनाई जाएगी।

- निगम यहां गार्डन के साथ ही सड़क चौड़ीकरण और नाली भी बनाएगा

दरअसल इंदिरा विहार के बाजू में बंधवापारा शुरू होने के पहले लगभग पौन एकड़ शासकीय जमीन पर कब्जा करते हुए लोगों ने अवैध रूप से झुग्गी झोपड़ी बना लिया है। इसे बंसोड़ मोहल्ले के नाम से जाना जाता है। इन सभी परिवारों को झुग्गी झोपड़ी से निजात दिलाकर प्रशासन प्रधानमंत्री आवास में व्यावस्थापन की बात निगम द्वारा कही जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक सड़क किनारे शासकीय जमीन में कब्जा इस क्षेत्र में व्यवस्थित विकास और पानी निकासी में बहुत बड़ी बाधा है। निगम के मुताबिक इन परिवारों को पक्का मकान मिलने से बहुत बड़ी राहत मिलेगी, बारिश और ठंड के मौसम में होने वाली परेशानियों से निजात मिलेगा और जीवन स्तर में बदलाव आएगा।

घरों को बचाने सड़क पर उतर गए

गुरुवार को कार्रवाई के दौरान लोगों ने जमकर विरोध किया। कई महिलाओं ने आरोप लगाया कि वे 70-80 सालों से इसी जगह रह रही हैं, फिर भी उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। महिलाओं का कहना है कि कुछ झोपड़ियों को तोड़ा गया, जबकि कुछ को छोड़ दिया गया, जो गलत है। उन्होंने मांग की है कि अगर कार्रवाई हो रही है तो सभी के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाए। एक पीड़ित महिला ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि उसका बेटा दिव्यांग है और गंभीर बीमारी से जूझ रहा है। वह चलने-फिरने में असमर्थ है। इसके बाद भी उनका घर तोड़ दिया गया और नया मकान नहीं मिला है। महिला ने आवास देने की मांग की है। अधिकारियों का कहना है कि पूरा बंसोड़ मोहल्ला खाली कराने में निगम अमले को दो दिन और लग सकते हैं।

नाला और चौड़ीकरण का काम सालों से रुका

इस बंसोड़ मोहल्ले में 90 के करीब लोगों ने अस्थायी मकान बनाकर सालों से अतिक्रमण कर लिया है। इन्हें हटाने के लिए नगर निगम का अमला गुरुवार सुबह 8 बजे ही बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंच गया था। पुलिस बल नहीं पहुंचने के कारण कार्रवाई में देरी हुई तो लोगों ने मकान खाली करने के लिए 7 दिन की मोहलत मांगी। निगम ने इससे इंकार कर दिया। कुछ देर बाद पुलिस बल पहुंचा तो कब्जाधारियों पर सख्ती से कार्रवाई शुरू की गई और मकानों को तोड़ा गया। अपर आयुक्त खजांची कुम्हार ने बताया कि इस अतिक्रमण के कारण नाला और सड़क चौड़ीकरण का काम वर्षों से रुका हुआ था। इसी कारण बारिश के मौसम में कई बार जलभराव की स्थिति बन जाती है जिससे काफी परेशानी होती थी।

कार्रवाई के दौरान पुलिसकर्मियों और निगम कर्मचारियों से वाद-विवाद करते लोग।

चौड़ा किया जाएगा नाला

सभी 86 परिवारों को इमलीभाठा में बसाने की प्रक्रिया जारी है और किसी के साथ अन्याय नहीं किया जाएगा। यह इलाका बरसात में जलभराव की समस्या से जूझता है। नाला छोटा होने के कारण पानी भर जाता है, जिसे अब चौड़ा किया जाएगा। साथ ही यहां गार्डन और अन्य विकास कार्य भी किए जाएंगे।

- खजांची कुम्हार
अपर आयुक्त

सीयू ने नियमितीकरण के मामले को केन्द्र सरकार के पाले में डाला

बिलासपुर। गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी ने 109 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के नियमितीकरण मामले को अब केन्द्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय व यूजीसी के पाले में डाल दिया है। हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक नियमितीकरण मामले में कर्मचारियों के पक्ष में निर्णय आने के बाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी की आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें एकमात्र कर्मचारियों के एजेंडे पर चर्चा के बाद केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय व यूजीसी को पत्र लिखने और इन कर्मचारियों के लिए पद सहित फंड की मांग किए जाने का फैसला लिया गया है।

- हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक कर्मचारियों के पक्ष में आया फैसला

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी प्रबंधन उपचारात्मक याचिका क्युरटिव पिटीशन खारिज होने के बाद बुधवार शाम को कुलपति प्रो. आलोक चक्रवाल की अध्यक्षता में यूनिवर्सिटी में कार्य परिषद की आपात बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में सचिव रजिस्ट्रार प्रो. अश्वनी कुमार दीक्षित सहित सदस्य के रूप में प्रो. एससी तिवारी, रत्नेश सिंह, शैलेन्द्र कुमार, डॉ. रमेश कुमार गोहे उपस्थित रहे। वहीं केन्द्रीय उच्च शिक्षा मंत्रालय के निदेशक सुभाषचंद शारू, यूजीसी मेंबर प्रो. मनोज सक्सेना, प्रो. रक्षा सिंह, प्रो. तेज प्रताप सिंह, डॉ. घनश्याम आनलाइन बैठक से जुड़े, जबकि छग शासन के मुख्य सचिव और प्रो. सच्चिदानंद त्रिपाठी, प्रो. संजीव प्रश्न बैठक में उपस्थित नहीं हुए। कार्य परिषद की बैठक में दैनिक वेतनभोगी 109 कर्मचारियों के नियमितीकरण संबंधी न्यायालयों के फैसलों संबंधी एजेंडा पर चर्चा हुई और यह निर्णय लिया गया कि इस मामले में लिगल ओपिनियन ले लिया जाए और केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय एवं यूजीसी को पत्र लिखा जाए तथा उनसे कर्मचारियों के लिए पद सहित कर्मचारियों वेतन, देयकों के भुगतान के लिए फंड मांगा जाए। इस तरह से सीयू ने कर्मचारियों के नियमितीकरण का मामला अब केन्द्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय एवं यूजीसी के पाले में डाल दिया है। 109 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों में नियमितीकरण का लाभ पाने के आस में 8 कर्मचारी इस दुनिया को छोड़कर जा चुके हैं और उनकी मृत्यु हो चुकी है, जबकि 18 कर्मचारी सेवा से हटाए जा चुके हैं।

जानकारी नहीं है

सेंट्रल यूनिवर्सिटी में बुधवार शाम को कार्य परिषद की आपात बैठक हुई है। लेकिन कार्य परिषद की बैठक में क्या निर्णय हुआ है इसकी जानकारी मुझे नहीं है। बैठक की मिनिट्स आने के बाद ही इस बारे में कुछ बता पाऊंगा।

-प्रो. मनीष श्रीवास्तव
मीडिया प्रभारी, सीयू

2 बच्चियों को कुत्ते ने काटा सिम्स में चल रहा इलाज

बिलासपुर। डॉग बाइट के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। गुरूवार को एक बार फिर 2 बच्चियों को कुत्तों ने निशाना बनाया और बुरी तरह जख्मी कर दिया है। दोनों बच्चियों का इलाज सिम्स में किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार मस्तुरी निवासी रामझुल केंटव की बेटी चांदनी केंवट उम्र 8 वर्ष मोहल्ले में खेल रही थी, इस दौरान आवारा कुत्ते ने उसे नोंचना शुरू कर दिया है, देखते देखते कुत्ते ने उसके शरीर पर कई जगहों पर जख्मी कर दिया, जिसके इलाज के लिए सिम्स में भर्ती किया गया है। वहीं परसोड़ी उरतुम की ईशा यादव पिता अनिल यादव 3 वर्ष भी सिम्स में इलाज के लिए पहुंची थी। अनिल यादव ने बताया कि बच्चे बेहद छोटी है और मोहल्ले में ही इन दिनों आवारा कुत्तों की भरमार हो चुकी है, आए दिन कई लोग कुत्ते के काटने के शिकार हो रहे है लेकिन प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

रेलवे फाटक खोलने के लिए गेटमेन से मारपीट

बिलासपुर। 5 युवकों ने रेलवे फाटक खोलने का दबाव बनाकर गेटमेन के साथ जमकर मारपीट कर दी। पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है।

बिल्हा पुलिस के अनुसार, दगौरी रेलवे फाटक के गेटमेन लोकेश साहू पिता छोटेलाल साहू 7 जनवरी की शाम ड्यूटी में थे। रात 10 बजे उन्होंने डाउन एमटी गाड़ी को पार करने के लिए फाटक बंद कर दिया था। इसी दौरान अलग अलग बाइक में 5 युवक आए और फाटक खोलने के लिए उन पर दबाव बनाने लगे। उन्होंने गाड़ी पार कराने के बाद फाटक खोलने को कहा तो सभी युवक अपनी बाइक को गेट से अंदर करने की कोशिश करने लगे। उन्होंने मना किया तो सभी युवक नाराज होकर उनके केबिन में घुसकर पकड़कर बाहर ले गए और हाथ मुक्का, किक्रेट बेट, पत्थर से जमकर मारपीट की। वहीं उनका मोबाइल पटककर तोड़ दिया गया। पुलिस ने गेटमेन की रिपोर्ट पर अज्ञात युवकों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115, 2, 132, 296, 3, 5, 304, 351, 3 के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है।

एनएचएआई बना रहा काऊ शेल्टर होम

बिलासपुर। बिलासपुर से पथरापाली के बीच बनी सड़क पर आए दिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए एनएचएआई ने बड़ा कदम उठाया है। हादसे रोकने और सड़कों से मवेशियों को हटाने रतनपुर और बेलमुंडी में काऊ शेल्टर होम बनाया जा रहा है, जहां एक समय में 50 से 60 गाय रखी जा सकेंगी। पिछले 5 माह में 23से अधिक दुर्घटनाएं इस दौरान हो चुकी है,ज्यादातर मामलों में सड़क पर मवेशी आने के कारण ही दुर्घटनाएं हुई हैं। एनएचएआई इन हादसों से सबक लेकर अब मवेशियों के साथ ही आम लोगों को बचाने की कवायद में लगा चुका है। बताया जा रहा है कि करीब 53 किमी की सड़क पर पेंड्रीडीह से 8 किमी दूर बेलमुंडी और 35 किमी दूर रतनपुर में काऊ शेल्टर का निर्माण जारी है, वहीं एक अन्य जगह के लिए राज्य सरकार से जमीन की मांग की गई है, लेकिन वर्तमान में राजस्व विभाग द्वारा जमीन नहीं दी गई है। अधिकारियों के अनुसार 3 जगहों पर काऊ शेल्टर बनाया जाएगा। दो जगहों पर जमीन मिलने के बाद निर्माण कार्य भी जारी कर दिया गया है।

- सड़क हादसे रोकने की कवायद

सड़क पर लगाए जाएंगे बोर्ड

एनएचएआई के अधिकारियों के अनुसार पिछले 3 सालों में जिन जगहों पर मवेशियों से सर्वाधिक दुर्घटनाएं हुई है, वहां सावधानी के लिए बोर्ड लगाएं जाएंगे।

और भी शेल्टर बनाए जाएंगे

सड़क में हो रही दुर्घटनाओं को देखते हुए 2 जगहों पर काउ शेल्टर बनाए जा रहे हैं, एक अन्य जगह पर भी आने वाले दिनों में शेल्टर बनाए जाएंगे।

-मुकेश पारगहेनिया, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एनएचएआई

क्रिकेट सट्टा खिलाने वाला खाईवाल गिरफ्तार

बिलासपुर। पुलिस ने आनलाइन क्रिकेट सट्टा खिलाने वाले खाईवाल को पकड़कर गिरफ्तार कर लिया है। सिविल लाइन सीएसपी निमितेश सिंह परिहार को सूचना मिली गोंड़पारा सिंधी मोहल्ला निवासी खाईवाल रवि कुमार रमानी पिता स्व. मोहन लाल रमानी आनलाइन क्रिक्रेट सट्टा खिला रहा है। उन्होंने अपनी टीम को भेजकर खाईवाल रवि कुमार रमानी को आनलाइन क्रिक्रेट सट्टा खिलाते हुए पकड़ लिया। उसके पास से 3 हजार रुपए नकद, सट्टापट्टी जब्त की गई है। ज्ञात हो कि एक दिन पहले शहर दो खाईवाल अविनाश वाधवानी उर्फ अवि गार्डन सिटी मोपका, आयुष अग्रवाल उर्फ आकास विनोबानगर निवासी को गिरफ्तार किया था। पकड़े गए तीनों खाईवालों के संपत्ति, बैंक खातों की जा रही है।

हरिभूमि नं.1 आवश्यक सूचना
हरिभूमि
प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें
07752-401052 , 8770748558
9754160620, 9691735152

खबर संक्षेप

कुपोषण के खिलाफ सशक्त अभियान बना पोषण पुनर्वास केंद्र

मुंगेली। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जिले में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र कुपोषण के खिलाफ एक सशक्त अभियान के रूप में उभर रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से गंभीर एवं अति गंभीर कुपोषण से पीड़ित बच्चों को न केवल जीवनदान मिल रहा है, बल्कि उनके शारीरिक और मानसिक विकास में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शीला साहा एवं डीपीएम गिरीश कुर्रे के मार्गदर्शन में संचालित जिला चिकित्सालय में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र में अप्रैल 2025 से दिसंबर 2025 तक 178 बच्चों का सफलतापूर्वक उपचार कर उन्हें सुपोषित किया गया। इसी प्रकार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोरमी के पोषण पुनर्वास केंद्र में 125 बच्चों तथा पथरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 112 बच्चों का उपचार कर उन्हें स्वस्थ किया गया है।

जिले की 367 ग्राम पंचायतों में मना रोजगार दिवस

मुंगेली। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत प्रतिमाह की 7 तारीख को रोजगार दिवस आयोजित किए जाने के प्रावधान के तहत आज जिले की सभी 367 ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, अभियानों एवं मनरेगा के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया गया। साथ ही रोजगार दिवस के दौरान ग्रामीणों को 'वीबीजी-रामजी योजना' के प्रावधानों से अवगत कराया गया। योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों को 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों का रोजगार, साप्ताहिक मजदूरी भुगतान तथा ग्रामीण विकास को गति देने वाले कार्यों की जानकारी दी गई। वहीं सीईओ जिला पंचायत प्रभाकर पाण्डेय ने कहा कि, मनरेगा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि आजीविका संवर्धन और सतत ग्रामीण विकास का सशक्त साधन है। आजीविका डबरी, मोर गांव मोर पानी अभियान एवं क्यूआर कोड जैसी पहलों से पारदर्शिता बढ़ेगी और ग्रामीणों को योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा।

किसानों ने किया 49.20 क्विंटल धान का रकबा समर्पण

मुंगेली। ग्राम रींवापार निवासी प्रगतिशील किसान भरत सोनी ने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में रकबा समर्पण कर जिले के किसानों के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने उपार्जन केंद्र नवागांव घुटेरा में सुगमता के साथ 206 क्विंटल धान का विक्रय किया, साथ ही 49.20 क्विंटल धान का रकबा समर्पण भी किया। उन्होंने खरीदी केंद्र पर उपलब्ध सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि, खरीदी केंद्र में टोकन प्रक्रिया अत्यंत सरल एवं सुगम है, जिससे किसानों को बिना किसी परेशानी के अपनी बारी प्राप्त हो रही है। भरत सोनी ने बताया कि, रकबा समर्पण से वास्तविक उत्पादन के अनुरूप धान खरीदी सुनिश्चित होती है, जिससे फर्जी रिकॉर्डिंग एवं अनियमितताओं पर प्रभावी अंकुश लगता है।

किसान पोर्टल पर पंजीयन कार्यों के लिए समय-सीमा निर्धारित

मुंगेली। छत्तीसगढ़ शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने एकीकृत किसान पोर्टल पर कृषकों के पंजीयन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों के लिए समय–सीमा निर्धारित की है। जारी आदेश के अनुसार, राजस्व विभाग द्वारा किए गए भौतिक सत्यापन के उपरांत 'विवरण संशोधन' की सुविधा को 7 जनवरी तक सभी समितियों में लॉगिन के माध्यम से उपलब्ध करा दिया गया है। इसके अतिरिक्त कृषकों के खसरा, रकबा सुधार, कैरी फारवर्ड, फसल विवरण प्रविष्टि, नवीन पंजीयन एवं संशोधन जैसे कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में कैरी फारवर्ड एवं वन अधिकार पट्टाधारी कृषकों का नवीन पंजीयन 15 जनवरी तक, सभी प्रकार के संशोधन 31 जनवरी तक, त्रुटिपूर्ण आधार के प्रकरण में पूर्व पंजीयन निरस्त कर नवीन पंजीयन 15 जनवरी तक तथा राजस्व विभाग की जांच व भौतिक सत्यापन के आधार पर कलेक्टर की अनुशंसा से नवीन पंजीयन 15 जनवरी तक किया जाएगा। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने संबंधित अधिकारियों एवं समितियों के माध्यम से इन कार्यों की सतत निगरानी सुनिश्चित करने और निर्धारित समय–सीमा में पंजीयन कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं।

मंत्री देवांगन ने ली विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक

जनता तक पहुंचाएं शासन की योजनाओं का लाभ

मुंगेली। राज्य के वाणिज्य एवं उद्योग, श्रम मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री लखनलाल देवांगन ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक लेकर शासन की योजनाओं की प्रगति, जनसेवाओं की गुणवत्ता एवं मैदानी क्रियान्वयन की स्थिति की गहन समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि, आमजन से जुड़े प्रकरणों का त्वरित, पारदर्शी और समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे जनता में शासन-प्रशासन की सकारात्मक छवि बने। उन्होंने शासन की योजनाओं का आमजनों को त्वरित एवं समयबद्ध लाभ पहुंचाने की बात कही। बैठक में मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, जिलाध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी, कलेक्टर कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, वन मंडलाधिकारी अभिनव कुमार, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, एडीएम निष्ठा पाण्डेय तिवारी, अपर कलेक्टर जीएल यादव सहित तीनों अनुविभागों के एसडीएम और सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

आदिवासी विकास विभाग की समीक्षा- मंत्री श्री देवांगन ने आदिवासी विकास विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि, छात्रावासों में पेयजल, बिजली, बिस्तर एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं सुव्यवस्थित रहे। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित पीएम जनमन योजना सहित अन्य योजनाओं, वन विभाग आदि की समीक्षा करते हुए ग्राम जाकड़बांधा क्षेत्र में अवैध वृक्ष कटाई कर खेत बनाने की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन एवं ऋण पुस्तिका से संबंधित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पटवारियों द्वारा अनावश्यक चक्कर न लगवाए जाएं और ग्रामीणों के राशन कार्ड समय-सीमा में बनें। उन्होंने ई-डिस्ट्रिक्ट में शामिल सेवाओं का नाम एवं निराकरण अवधि स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने दी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी: बैठक में कलेक्टर ने सभी विभागों अंतर्गत संचालित योजनाओं का जिले में क्रियान्वयन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छात्रावासों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है तथा सीसीटीवी कैमरों से निगरानी सुनिश्चित की गई है। सरगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दवाइयों की अनुपलब्धता एवं रेफर करने की शिकायत पर कलेक्टर ने जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की बात कही। साथ ही श्रम विभाग अंतर्गत श्रमिकों को आवास योजना का लाभ दिलाने अगले 15 दिनों में विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

एसपी ने कानून व्यवस्था से कराया अवगत: पुलिस अधीक्षक ने साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, ऑपरेशन बाज, जिला बदर, जागरूकता कार्यक्रम एवं कोटवार प्रशिक्षण की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि, साइबर ठगी के शिकार लोगों को 12 लाख रुपए से अधिक की राशि वापस कराई गई है। सड़क सुरक्षा उपायों से दुर्घटनाओं में कमी आई है। प्रभारी मंत्री ने पुलिस की 'पहल' की सराहना की।

प्रस्तुत किया कार्यों का विवरण

वन मंडलाधिकारी कुमार ने बताया कि, अतिक्रमण के मामलों में सख्त कार्रवाई जारी है। डीएफओ ने किसान वृक्ष मित्र योजना एवं 'एक पेड़ मां के नाम' योजना की प्रगति से अवगत कराया। सीईओ जिला पंचायत प्रभाकर पाण्डेय ने बताया कि, पीएम जनमन योजनांतर्गत अंतर्गत पक्का आवास, सड़क सहित 12 प्रकार के कार्य किए जा रहे हैं। पक्का आवास के 1028 प्रकरण स्वीकृत हैं, जिनमें से 528 पूर्ण हो चुके हैं। चार सड़कों में से तीन का निर्माण पूर्ण हो चुका है। योजना के अंतर्गत मोबाइल मेडिकल यूनिट एवं एटीआर बफर क्षेत्र में मोबाइल टावर भी स्थापित किया गया है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत एसएचजी सेचुरेशन, बैंक लिंकेज, लखपति दीदी योजना, स्वच्छ भारत मिशन, ओडीएफ, युक्तधारा पोर्टल, मनरेगा, आजीविका डबरी एवं सोशल ऑडिट सहित अन्य उपलब्धियों की जानकारी दी।

परमेश्वरी महोत्सव में शामिल हुए मंत्री देवांगन

मुंगेली। श्रम, वाणिज्य, उद्योग एवं आबकारी मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री लखनलाल देवांगन गुरुवार को मुंगेली प्रवास पर रहे। इस दौरान वे देवांगन समाज की ओर से आयोजित सात दिवसीय माता परमेश्वरी महोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्रभारी मंत्री ने माता परमेश्वरी की विधिवत पूजा-अर्चना कर समाज के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस मौके पर मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि, देवांगन समाज एक मेहनती, संस्कारवान और संगठित समाज है, जिसने हर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। विधायक पुन्नूलाल मोहले ने माता परमेश्वरी महोत्सव की शुभकामनाएं दी। देवांगन समाज द्वारा आयोजित सात दिवसीय माता परमेश्वरी महोत्सव पूरे श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समाजजन शामिल हो रहे हैं। 10 जनवरी शनिवार को माता परमेश्वरी महोत्सव परिसर में एक विशेष निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने में प्रदेश उपाध्यक्ष विष्णु देवांगन, युवा टीम अध्यक्ष दुर्गेश देवांगन, सुदामा देवांगन, अजय देवांगन, शत्रुघ्न देवांगन, जगदीश देवांगन, अनिल देवांगन, ददुआ देवांगन, अमन देवांगन, बलराम देवांगन, भूपेंद्र देवांगन, रजत देवांगन, गोलू देवांगन, धनराज देवांगन, नानू देवांगन, भोलू, गज्जू, विकास सहित बड़ी संख्या में समाज के लोगों की उल्लेखनीय सहभागिता है।

श्रीमद् देवी भागवत कथा श्रवण करने उमड़ी भक्तों की भीड़

जरहागांव। नगर पंचायत बरेला में हरदिहा मरार पटेल समाज की ओर से आयोजित मां शाकंभरी जयंती महोत्सव में श्रीमद् देवी भागवत महापुराण कथा यज्ञ में कथा व्यास पंडित हरिहर प्रसाद पांडे ने छठवें दिन की कथा में भगवान श्रीराम, श्री कृष्ण व देवी की कथा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि, भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में धार्मिकता, सदाचारी, न्याय और साहस के प्रतीक हैं। श्रीराम का जीवन रामायण महाकाव्य में वर्णित है, और यह हमें अपने जीवन के हर मोड़ पर वचन पालन, सत्य,धर्म और लोक कल्याण के लिए जीना सिखाता है। श। इस अवसर पर मुख्य यजमान मनोज पटेल, दुर्गा पटेल, दुकालू पटेल, विनोद पटेल, डेरहा पटेल, मूलाराम, तुलाराम, किशन पटेल,गयाराम पटेल, जयराम, सुखचंद, पटेल, सुकालू पटेल, तुलाराम, मेघनाथ, रिखीराम, मोतीराम, अशोक पटेल, गोविन्द पटेल, जागेश्वर, राखी राम, राजा पटेल, दिनेश पटेल आदि मौजूद थे।

व्याख्याता संघ ने की प्रायोगिक परीक्षाओं की तिथि बढ़ाने की मांग

तखतपुर। प्रायोगिक, प्री-बोर्ड परीक्षा और प्रशिक्षण के बीच उलझे व्याख्याताओं की पीड़ा को समझते हुए छत्तीसगढ़ व्याख्याता संघ ने माध्यमिक शिक्षा मंडल से प्रायोगिक परीक्षा की तिथि बढ़ाए जाने की मांग की है। व्याख्याता संघ की ओर से छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर से यह मांग की गई है कि, कक्षा 10वीं एवं 12वीं की प्रायोगिक परीक्षाओं की निर्धारित तिथि को बढ़ाकर 31 जनवरी तक किया जाए। संघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शर्मा एवं बिलासपुर अध्यक्ष जितेंद्र शुक्ला ने बताया कि दसवीं, बारहवीं में प्रेक्टिकल, प्रायोजना की परीक्षा चल रही है, जिसे 20 जनवरी तक पूरा करना है। साथ ही वर्तमान समय में पूरे प्रदेश के विद्यालयों में कक्षा दसवीं एवं बारहवीं की प्री-बोर्ड परीक्षाएं संचालित की जा रही हैं। साथ ही इसी अवधि में व्याख्याताओं के ब्लूप्रिंट आधरित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य है। ऐसी परिस्थितियों में प्रायोगिक परीक्षाओं का सुचारु, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण आयोजन करना अत्यंत कठिन हो रहा है। प्रायोगिक परीक्षाएं विद्यार्थियों के शैक्षणिक मूल्यांकन का महत्वपूर्ण आधार होती हैं। समयाभाव एवं अत्यधिक कार्यभार के कारण यदि इनका आयोजन जल्दबाजी में की गई तो इसका प्रतिकूल प्रभाव विद्यार्थियों के परिणामों पर पड़ सकता है। व्याख्याता संघ ने माध्यमिक शिक्षा मंडल से आग्रह किया है कि विद्यार्थियों के हित, शिक्षकों की व्यावहारिक समस्याओं एवं शैक्षणिक गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए प्रायोगिक परीक्षा की अंतिम तिथि 31 जनवरी तक बढ़ाने का निर्णय लिया जाए, ताकि सभी कार्य व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकें।

श्रद्धा और भक्ति के साथ मनी गुरु घासीदास की जयंती

मुंगेली। जिले के विभिन्न ग्रामों में सतनाम पंथ के प्रवर्तक, सामाजिक समरसता, सत्य और मानवता के संदेशवाहक बाबा गुरु घासीदास की जयंती श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में भाजपा के सक्रिय युवा नेता नितेश भारद्वाज विशेष रूप से सम्मिलित हुए। जयंती कार्यक्रमों में मुंगेली विधायक एवं पूर्व मंत्री पुन्नूलाल मोहले, जिला पंचायत सदस्य उमाशंकर साहू, भारतीय जनता पार्टी जारहागांव मंडल के महामंत्री अश्वनी कश्यप सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने बाबा गुरु घासीदास के छाचित्र पर पुष्प अर्पित उनके आदर्शों और विचारों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। नितेश भारद्वाज ने कहा कि, बाबा गुरु घासीदास जी का जीवन समाज को सत्य, अहिंसा, समानता और भाईचारे का मार्ग दिखाता है। उन्होंने युवाओं से बाबा जी के विचारों को आत्मसात कर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का आह्वान किया। विधायक पुन्नूलाल मोहले ने कहा कि, बाबा गुरु घासीदास जी ने सामाजिक कुरीतियों और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाकर मानवता का मार्ग प्रशस्त किया। जिला पंचायत सदस्य उमाशंकर साहू एवं भाजपा महामंत्री अश्वनी कश्यप ने भी बाबा जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। कार्यक्रमों के दौरान भजन–कीर्तन, सतनाम संदेशों का वाचन और सामाजिक एकता पर केंद्रित विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

सांवरा जनजाति को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने दाऊकापा गांव में लगा शिविर

■ समुदाय के 142 लोगों की जांच कर प्रदान की गई दवा

मुंगेली। आधुनिक चिकित्सा पद्धति के माध्यम से सांवरा जनजाति को स्वास्थ्य सेवाओं की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक अनुकरणीय पहल की गई। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शीला साहा के मार्गदर्शन में ग्राम दाऊकापा में विशेष निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में 142 सांवरा समुदाय के महिला-पुरुष, बुजुर्ग एवं बच्चों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर उपचार कराया, इनमें सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान उच्च रक्तचाप के 12, मोतियाबिंद के 11, दाद–खाज–खुजली के 27, सर्दी–खांसी के 17, बॉडी पेन के 14, मधुमेह के 6, कमजोरी के 13, कान संक्रमण के 6, कुपोषण के 2 मरीज पाए गए। सामान्य रोगियों का मौके पर इलाज किया गया, वहीं गंभीर मरीजों को जिला अस्पताल में इलाज कराने परामर्श दिया गया। डॉ मनीष बंजारा ने बताया कि, यह शिविर केवल उपचार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके माध्यम से समुदाय को स्वास्थ्य, टीकाकरण और सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक कर आधुनिक चिकित्सा से जोड़ने का संवेदनशील प्रयास किया गया। शिविर की विशेष बात यह रही कि, परामर्श स्थानीय भाषा और संवेदनशील संवाद के माध्यम से दिया गया, जिससे लोग बिना डर और झिझक के अपनी समस्याएं साझा कर सकें। शिविर में मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, गैर-संचारी रोगों की जांच, मौसमी बीमारियों एवं सर्पदंश से बचाव की जानकारी देते हुए निशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। कार्यक्रम के दौरान समुदाय को टोना-टोटका, झाड़–फूंक से इलाज नहीं कराने, सांप काटने पर तुरंत अस्पताल जाने तथा समय पर टीकाकरण कराने प्रेरित किया गया।

7.20 लीटर प्लेन मदिरा सहित आरोपी गिरफ्तार

मुंगेली। जिले में अवैध शराब पर नियंत्रण हेतु कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देश पर आबकारी विभाग की कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में आबकारी विभाग ने पथरिया के ग्राम अमोरा में छापा मारते हुए आरोपी दिलहरण धुरी के कब्जे से 7.20 लीटर प्लेन मदिरा जब्त कर लिया। जिला आबकारी अधिकारी रविशंकर साय ने बताया कि, आरोपी दिलहरण धुरी के विरूद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की गैर जमानती धारा 34(1)(क), 34(2) तथा 59(क) के तहत प्रकरण दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि, जिले में अवैध शराब एवं अपराधिक गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है तथा आगे भी ऐसी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

जन आंदोलन का रूप ले रहा 'पहल' अभियान

मुंगेली। जिले में कानून व्यवस्था को सुदृण करने के साथ-साथ सामाजिक सुधार की दिशा में पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल की ओर से शुरू किया गया 'पहल' अभियान अब एक व्यापक जन आंदोलन का रूप ले रहा है। इसी कड़ी में बुधवार 7 जनवरी को जिला पंचायत के सभाकक्ष में एक विशेष संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जिपं सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, जिपं अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, उपाध्यक्ष रजनी देवचरण भास्कर सहित अन्य जिपं सदस्य और जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन के सभी विभाग प्रमुखों ने एक साझा मंच पर आकर मुंगेली को बेहतर बनाने का संकल्प लिया।

■ जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों का जिले को बेहतर बनाने का संकल्प

जिला पुलिस बल मुंगेली की ओर से 1 वर्ष से चलाये जा रहे अभियान 'पहल' के तहत रूपरेखा तैयार कर जिले के स्कुल, कॉलेजों, सार्वजनिक स्थानों मे जागरूकता अभियान चलाया गया। मुंगेली पुलिस ने केन्द्र व राज्य सरकार के दिशा-निर्देशन पर पुलिस एवं आम जनता की बीच की दुरी को 'पहल' कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों, बच्चों तथा महिलाओं से जुड़कर उनके पास जाकर शिक्षा के क्षेत्र मे विकसित करते हुये डिजिटल युग मे होने वाले सायबर फ्राड, यातायात सुरक्षा, नशा मुक्ति की जानकारी देकर पुलिस व जनता की दूरी को कम करने का अथक प्रयास किया जा रहा है। एसपी भोजराम पटेल के मुख्य आतिथ्य मे एवं जिला पंचायत प्रभाकर पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य 'पहल' कार्यक्रम के तहत जनप्रतिनिधियों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सायबर जागरूकता, नशा मुक्ति और यातायात सुरक्षा का संदेश पहुंचाना है। कार्यक्रम मे जिपं अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, उपाध्यक्ष शांति देवचरण भास्कर, रामकमल सिंह एवं प्रशासन विभाग के प्रमुख उपस्थित रहे।

सायबर फ्रॉड

वर्तमान डिजिटल युग मे मोबाइल का सदुपयोग एवं होने वाले सायबर फ्रॉड की जागरूकता तथा फ्राड होने पर तत्काल सायबर हेल्पलाइन नंबर 1930 मे कॉल कर फ्राड हुए रकम को होल्ड कराया जा सकता है।

यातायात

यातायात नियमों का पालन करने तथा विशेष तौर पर पिकअप मालवाहक है कोई भी महिलाओं, बच्चों तथा आमजनों को सफर से बचें तथा नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने ना दें। मुंगेली पुलिस ने बीते वर्ष 2024 की तुलना मे रोड एक्सीडेंट मृत्युदर आंकड़ों में जागरूक कर कमी लाने मे सफल प्रयास किया है।

नशा मुक्ति

नशा मुक्ति का लगातार जागरूकता अभियान स्कूल, कॉलेजों मे किया गा एवं नशे से दूर रहने की अपील की गई। सार्थक प्रयास नशा मुक्ति, यातायात सुरक्षा और सायबर सुरक्षा की जनप्रतिनिधियों ने आम जनता को जागरूक करने लिया संकल्प।

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष ने की पत्रकारों से चर्चा

जी-राम-जी अधिनियम बदलेगा गांवों की तस्वीर और तकदीर: जैन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गौरेला

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश उपाध्यक्ष नंदन जैन ने गुरुवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ग्रामीण विकास के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम 2025 लाया गया है, जो देश के गांवों को विकसित बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

उन्होंने कहा, यह अधिनियम किसानों, मजदूरों और गरीबों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। श्री जैन ने कहा कि, विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम मनरेगा योजना का उन्नत और अधिक प्रभावी रूप है और कई मायनों में इससे बेहतर है। मनरेगा में जहां 100 दिनों का रोजगार मिलता था, वहीं अब इस अधिनियम के तहत ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों के सुनिश्चित रोजगार की कानूनी गारंटी मिलेगी। इससे मजदूरों की आमदनी में स्वाभाविक रूप से बढ़ोतरी होगी।

चार प्रमुख क्षेत्रों पर फोकस: उन्होंने कहा कि, विकसित भारत 'जी-राम-जी अधिनियम' के अंतर्गत चार प्रमुख क्षेत्र जल सुरक्षा, ग्रामीण अधोसंरचना, आपदा सुरक्षा और आजीविका संवर्धन पर विशेष फोकस किया जाएगा। जल संरक्षण, नदी-नालों के सुधार, कटाव रोकने तथा सिंचाई संरचनाओं के विकास जैसे कार्य प्राथमिकता से कराए जाएंगे। इस अधिनियम के माध्यम से कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और कौशल विकास जैसी गतिविधियों को भी मजबूती मिलेगी। ग्रामीण स्तर पर रोजगार एवं सतत आय के नए अवसर सृजित होंगे और पीएम गति शक्ति जैसी राष्ट्रीय योजनाओं को भी इससे बल मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि, यह अधिनियम गांवों में टिकाऊ विकास, स्थायी रोजगार और समृद्धि का नया अध्याय लिखेगा।

ये रहे मौजूद

प्रेस कॉन्फ्रेंस में मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं मरवाही विधायक प्रणव कुमार मरपच्ची, भाजपा जिला अध्यक्ष लालजी यादव, पूर्व जिला उपाध्यक्ष कन्हैय्या सिंह राठौर, जिला महामंत्री कुबेर सिंह सर्राटी, किशनसिंह ठकुर, जिला मीडिया प्रभारी बालकृष्ण अग्रवाल, सह प्रभारी तापस शर्मा, नीरज जैन, राकेश चतुर्वेदी, डा.लुशनसिंग राठौर, दयाचंद पोर्ते, राकेश दीक्षित, जिला पंचायत अध्यक्ष समीरा पैकरा, उपाध्यक्ष उपेंद्र बहादुर सिंह, पवन पैकरा, राजकुमार रोहणी, अजय तिवारी, राजकुमार पुरी, जनपद पंचायत अध्यक्ष शिवनाथ बघेल, छोटेलाल सोनी, सिद्धार्थ दुबे, मनीष श्रीवास, पंकज श्रीवास्तव,आदित्य गुप्ता सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे मौजूद थे।

वाहन सहित 150 कट्टी अवैध धान जब्त

मुंगेली। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिले में अवैध धान परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण हेतु प्रशासन द्वारा सघन निगरानी एवं निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में तहसीलदार अतुल वैष्णव नायब तहसीलदार, लीलाधर क्षत्री, थाना प्रभारी सरगांव संतोष शर्मा के नेतृत्व में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने ग्राम चन्द्रखुरी, नारायणपुर चौक पर बड़ी कार्रवाई की।

जांच के दौरान वाहन क्रमांक सीजी 07 सीए 4923 को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें 150 कट्टी धान का अवैध परिवहन पाया गया। वाहन चालक की पहचान सत्यवान दास मानिकपुरी, निवासी भाटापारा के रूप में हुई, जबकि परिवहन किया जा रहा धान किसान समारू यादव, निवासी दामापुर से संबंधित पाया गया। प्रकरण में नियमानुसार धान सहित वाहन को जब्त कर थाना सरगांव को सुपुर्द किया गया है। एसडीएम रेखा चंद्रा ने कहा कि मामले में नियमों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। शासन के निर्देशों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएंगे।